राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 21 मई 2024 वर्ष–7,अंक–117 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल के जंगलों में लगी आग... करोड़ की वन संपदा जलकर राख

–आखिर क्यों लगी रही आग, बना सवाल

शिमला । हिमाचल प्रदेश में जंगलों में आग लगाने का सिलसिला जारी है। आलम हैं कि सोलन, मंडी और कांगड़ा में अभी तक करोड़ की वन संपदा जलकर राख हो गई है। मंडी जिले के धर्मपुर के मंडप गांव के जंगलों में जहां आ लग गई। वहीं, सोलन के समीप भी जंगल जलकर राख हो गया। कुछ जगह आग बुझाने की कोशिश हुई, लेकिन यह नाकाफी रही। जानकारी के अनुसार, सोलन के करीब कालाघाट में रविवार को भीषण आग लग गई। इसके बाद वन विभाग के कर्मचारी आग बुझाने का प्रयास करते। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। जंगलों में करीब चार किलोमीटर तक आग फैली थी। इस दौरान वन विभाग के कर्मचारी साथ लगती पंचायत के प्रधान और चुने हुए प्रतिनिधियों से मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। वन विभाग के रेंज ऑफिसर नीमा छेरिंग और डिप्टी रेंजर नीलम ठाकूर ने रोष जाहिर कर कहा कि वे सुबह से आग बुझाने में लगे हैं, लेकिन स्थानीय व्यक्ति कोई भी मदद के लिए नहीं आया। कुछ लड़कियां और कर्मचारी जिंदगी दाव पर लगा कर आग बुझा रहे थे। राज्य वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 2180.89 हैक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आ चुका है और इससे 52 लाख 82 हजार 543 रुपये की वन संपदा राख हो गई है।

भीषण गर्मी का कहर, गुजरात के 14 जिलों में ऑरेंज और 2 जिलों में येलो अलर्ट जारी

अहमदाबाद । शहर समेत गुजरातभर में भीषण गर्मी कहर बरपा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में गर्मी का प्रकोप यथावत रहेगा। बनासकांठा, साबरकांठा, वलसाड, आणंद, सूरत सुरेन्द्रनगर, पोरबंदर, राजकोट, जूनागढ़, भावनगर, पोरबंदर, अहमदाबाद में हिटवेव की भविष्यवाणी है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दो रातें भी गर्म रहेंगी। आज भी राज्य के कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिसमें बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, आणंद, भावनगर राजकोट, अमरेली, जूनागढ़, पोरबंदर, कच्छ और वलसाड में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अमरेली और साबरकांठा येलो अलर्ट जारी किया गया है। अहमदाबाद का तापमान 45 डिग्री पर पहुंच गया है। वहीं उत्तर गुजरात के डीसा में 45.3 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी पांच दिनों तक गर्मी से राहत की कोई गुंजाईश नहीं है।

एक युवक ने आठ बार डाला वोट, वीडियो किया वायरल

–सपा प्रमुख अखिलेश ने उठाए सवाल, सभी बूथ कर्मचारी निलंबित

आगरा। सोशल मीडिया पर रविवार को वायरल हुए एक वीडियो ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी। इसमें एक युवक आठ बार बीजेपी को वोट डालकर खुद ही वीडियो बना रहा है। वीडियो एटा की अलीगंज विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक पाठशाला खिरिया पमारान के बूथ संख्या–43 का बताया जा रहा है। इस मामले में आयोग ने सख्त कार्रवाई की है। पोलिंग पार्टी के सभी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। पुनर्मतदान की सिफारिश भी की गई है। वायरल वीडियो को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अगर चुनाव आयोग को लगे कि ये गलत हुआ है तो वो कुछ कार्रवाई जरूर करे, नहीं तो...। उत्तरप्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस मामले में पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। कई बार वोट डालने वाला व्यक्ति खिरिया पामारन गांव का निवासी राजन सिंह है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि संबंधित पोलिंग पार्टी के सभी सदस्यों को सस्पेंड करने के साथ ही उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग से वहां पुनर्मतदान की संस्तुति कर दी गई है। मतदाताओं की पहचान के लिए आयोग की ओर से जारी निर्देशों का पूरी तरह से पालन करने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दे दिए गए हैं।

मदरसे का सर्वे करने गई टीम पर हमला, आयोग ने लिया संज्ञान

–हम बच्चों को उनका अधिकार दिलाकर रहेंगे : प्रियंका कानूनगो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के आदेश के बाद गुजरात के 1100 से अधिक मदरसों का सर्वे कराया जा रहा है। अहमदाबाद के दरियापुर मदरसा में सर्वे टीम पहुंची तो सुलतान सैयद मस्जिद के बाहर भीड़ ने घेराव कर हमला कर दिया, जिसके बाद राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने मामले में संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा–बच्चों को शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने देश भर में मदरसों की मैपिंग के निर्देश दिए हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हमला करने की जानकारी प्राप्त हुई है। यह घटना बच्चों के अधिकार पर हमला है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग इसकी कड़ी निंदा करता है। प्रियंक कानूनगो ने आगे लिखा कि गुजरात पुलिस ने तत्पर कार्रवाई करते हुए उपद्रवियों को गिरफ़्तार किया है। उन्होंने कहा कि वह शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साहस की भी प्रशंसा करती हैं जो बच्चों के अधिकार तय करने के लिए अपना दायित्व निभा रहे हैं। हम सभी पूरी ताकत से उनके साथ खड़े हैं। बच्चों को उनका अधिकार मिलकर रहेगा। इस घटना के सामने आने के बाद दरियापुर थाना में शिकायत दर्ज की गई है। सरकारी काम में बाधा और लूट के आरोप में कार्रवाई की गई है। बताया जाता है कि स्कूल के शिक्षक मदरसा की सर्वे टीम में शामिल थे, जिन पर हमला किया गया है। 35 से ज्यादा की भीड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

चारधाम के लिए 5 दिन बाद खुला ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन

हरिद्वार। चारोधाम की यात्रा का सपना संजोने वालों के लिए राहत भरी खबर है। राहत इसलिए कि पांच दिन बाद रजिस्ट्रेशन स्लॉट खुलने से तीर्थ यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। ऐसे में एमपी, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों से आए तीर्थ यात्री अब ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवाकर चारधाम दर्शन को जा सकते हैं।बता दें कि यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ समेत चारों धामों के दर्शन करने से पहले ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। अब ऑफलाइन रजिसट्रेशन को लेकर पुलिस–प्रशासन की ओर से कई काउंटर खोले गए हैं।हरिद्वार में बिना पंजीकरण के चारधाम यात्रा के लिए पहुंचे यात्री वाहन रविवार को भी वापस लौटाए गए। जिले में यूपी से लगे गुरुकुल नारसन बॉर्डर में यात्री वाहन की जांच की गई। करीब 150 यात्री वाहन वापस भेजे गए। वहीं, चेकिंग के दूसरे प्वाइंट पंतदीप पार्किंग में यातायात का दबाव अधिक होने के चलते वाहनों की जांच नहीं हो पाई।चारधाम यात्रा को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इससे धामों में भीड़ अधिक होने से व्यवस्था बनाने में दिक्कत हो रही है। चारधाम यात्रा में बिना पंजीकरण आ रहे यात्री वाहन को लौटाने के आदेश दिए गए थे। देहरादून जिले के नेपाली फार्म, हरिद्वार के सीमावर्ती क्षेत्र गुरुकुल नारसन और पंतद्वीप पार्किंग पर चेकिंग प्वाइंट बनाए गए है।चारधाम यात्रा रूट पर पुलिस–प्रशासन की ओर से कई जगह चेकिंग की जा रही है।हरिद्वार, ऋषिकेश, नेपाल फार्म आदि जगहों पर बैरीकेडिंग लगाकर पुलिस तीर्थ यात्रियों का रजिस्ट्रेशन चेक कर रही है। रजिस्ट्रेशन के बिना चारधाम पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को वापिस लौटाया जा रहा है।

मतदान नहीं करने वाले ही चुनते हैं खराब राजनेता : अभिनेता परेश

मुंबई। फिल्म अभिनेता परेश रावल, निर्माता निखिल आडवाणी और कुणाल कोहली ने सोमवार सुबह मुंबई में अपना वोट डाला। वोट डालने से पहले परेश रावल ने अपने फॉलोअर्स से अपील की कि कृपया याद रखें और वोट करने जरूर जाएं। उन्होंने कहा कि खराब राजनेता पैदा नहीं होते हैं वे बनाए जाते हैं। उन लोगों द्वारा जो मतदान के दिन वोट डालने के बजाय पिकनिक मनाना पसंद करते हैं।

मप्र के सीएम मोहन यादव ने दिल्ली में केजरीवाल पर साधा निशाना

आप की महिलाएं घर में सुरक्षित नहीं तो जनता का क्या होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के चलते रैली और सभा को दौर जारी है। सभी राजनीति दल अपने अपने उम्मीदवारों के समर्थन में एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश सभा करने जा रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने दिल्ली में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस सभा में मोहन यादव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की महिलाएं घर में सुरक्षित नहीं हैं, तो जनता का क्या होगा। डॉ यादव ने रविवार देर रात दक्षिण दिल्ली के कालकाजी में आयोजित जनसभा में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार धूमधाम से बनने जा रही है। दिल्ली वाले भाग्यशाली हैं कि सात लोकसभा सीट भाजपा की होने जा रही है। कोई ताकत रोकने वाली नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक परिवार ही सभी ताकत अपने पास रखना चाहते हैं। सोनिया गांधी ने 10 साल पीछे से सरकार चलाई, राजीव गांधी ने सरकार चलाई, इंदिरा गांधी और यहां तक कि जवाहर लाल नेहरू ने भी यहां से सरकार चलाई है, लेकिन कांग्रेस की हिम्मत नहीं हुई कि दिल्ली की जनता के सामने वोट मांगने जाए, जनता भी असलियत जानती थी। दिल्लीवालों ने कांग्रेस को दूर से बाय बाय कर दिया है।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि पिछली बार राहुल गांधी को अमेठी से हार मिली तो दोबारा उधर जाना पसंद नहीं किया। वहां से भाग कर केरल वायनाड चले गए। राहुल गांधी अब रायबरेली आ गए, लेकिन रायबरेली की राय भी बहुत अच्छी नहीं है जो अमेठी में हुआ था वह रायबरेली में होने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार ने तय कर लिया कि हमारा भाई प्रधानमंत्री बनने योग्य है। प्रधानमंत्री बनने के लिए 272 सांसद चाहिए। पूरे देश में तीन जगह उनकी सरकार है। उन्होंने इन तीनों राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के सांसदों की गणना के आधार पर दावा किया कि कांग्रेस के पास 60 से ज्यादा सांसद नहीं हैं।

डॉ यादव ने कहा कि 2014 में सरकार बनने के बाद पीएम मोदी ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार बनेगी तो देश निर्भीकता के साथ लोकतंत्र का झंडा लाल किले पर फहराया जाएगा। दिल्ली में जब तक कांग्रेस की सरकार रही, यहां आतंकवादी घटनाएं होती रही क्योंकि कायर लोगों के हाथ में सत्ता थी। पीएम मोदी के समय पाकिस्तान ने जो गलती की, उसके लिए पाकिस्तान का वह हाल किया, जो उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि हमारे देश में वीरों की और रणबांकुरों की कोई कमी नहीं रही। कमी रही तो नेतृत्वकर्ता की, जिसके कारण पड़ोसी देश नज़रें उठा कर देखते थे। पाकिस्तान की जनसंख्या से ज्यादा संख्या पीएम मोदी के पार्टी के सदस्यों की है।

मोहन यादव ने अरविंद केजरीवाल पर निशाने साधते हुए कहा कि वे झूठ का पहाड़ बनाते हैं। उन्होंने अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया और जो-जो कहा, उसका उल्टा किया। वे जनता से झूठे वादे करते रहते हैं। उन्होंने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के संदर्भ में कहा कि उनके साथ सीएम हाउस में घटना हुई। उनकी पार्टी के लोग घर में सुरक्षित नहीं हैं, वे जनता की क्या बात करते हैं।

केजरीवाल पर जानलेवा हमला करने की साजिश : सांसद संजय

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी केजरीवाल पर जानलेवा हमला करवाने की साजिश कर रही है। आप नेता ने कहा, केजरीवाल के जेल से बाहर आने पर बीजेपी बौखला गई है। अब ये लोग केजरीवाल पर जानलेवा हमला करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। देश के गृह मंत्री अमित शाह, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ही सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, केजरीवाल के बाहर आने से बीजेपी इतनी बौखला गई हैं, कि ये लोग उन्हें किसी भी प्रकार की हानि पहुंचा सकते हैं। बीजेपी अब केजरीवाल पर जानलेवा हमला करने की तैयारी में है। आप नेता सिंह ने कुछ मेट्रो स्टेशन पर धमकी भरे शब्द लिखने का दावा करते हुए कहा, अब लोग मेट्रो स्टेशन पर लिखकर हमला करने की धमकी दे रहे हैं। अगर केजरीवाल पर हमला होगा, तब इसके लिए बीजेपी जिम्मेदार होगी। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बीते दिनों उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने के लिए 1 जून तक अंतरिम जमानत दी थी। बीजेपी ने कोर्ट के इस फैसले पर सवाल भी उठाया था।

शरद का दावा महाराष्ट्र में कम से कम आधी सीटें जीत रही है एमवीए

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज नेता और एनसीपी (शरद) के अध्यक्ष शरद पवार ने चौंका देने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कोई कितने ही दावे करे लेकिन महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र में आधे से अधिक सीटें जीत रहा है। इस कामयाबी को लेकर भाजपा काफी परेशान दिखाई दे रही है। यहां तक की पीएम नरेंद्र मोदी का विश्वास भी डगमगा गया है। वहीं वंशवाद के आरोपों पर पवार ने कहा कि एक डॉक्टर का बेटा अगर डॉक्टर बन सकता है तो राजनेता का बेटा राजनेता क्यों नहीं बन सकता। बाकी उसकी सफलता और असफलता उसकी क्षमता पर निर्भर करती है। शरद पवार ने कहा, मां-बाप के चरणचिह्नों पर चलना कोई अपराध नहीं है। 400 पार के दावे को लेकर पवार ने कहा कि यह बहुत ही अजीब दावा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि किस आधार पर यह नारा दिया गया है। मुझे तो यह भी शक है कि बीजेपी बहुमत के आंकड़े

तक पहुंच पाएगी। दक्षिणी राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन ना के बराबर है। वहीं मध्य प्रदेश, राजस्थान और यूपी में भी इस बार स्थिति अच्छी नहीं है।

पवार ने कहा, चार चरणों के मतदान के मुताबिक मोदी की अगुआई वाले गठबंधन को हराना कोई बड़ी बात नहीं है। जहां तक बात है हमारे प्रधानमंत्री पद के चेहरे की तो चुने हुए सांसद ही इसका फैसला करेंगे। कुछ दशक पहले मोरारजी देसाई सांसदों को सांसदों ने ही प्रधानमंत्री के रूप में चुना था। तब जयप्रकाश नारायण ने नई सरकार बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि इस बार महाराष्ट्र में 50 फीसदी सीटों पर महाविकास अघाड़ी की जीत होने जा रहा है। मुझे हैरानी है कि जिस तरह की भाषा प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा के खिलाफ है। शरद पवार ने कहा कि हमारी प्राथमिकता एक स्थायी सरकार देने की होगी। इसके अलावा कृषि उत्पादों की अच्छी कीमत देने, बेरोजगारी के खिलाफ कदम उठाने और किसानों की खुदकुशी रोकने के प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा केंद्रीय एजेंसियों की बेबुनियाद कार्रवाई रोकी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार पीएम मोदी का विश्वास खत्म हो गया है इसलिए वे महाराष्ट्र में खूब प्रचार कर रहे हैं। पहले पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसी प्रधानमंत्री केवल एक या दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया करते थे।

धार्मिक आधार पर आरक्षण का समर्थन नहीं करती कांग्रेस: जयराम रमेश

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा के 369 सीटों पर चुनाव हो चुका है। शुरुआती दौर में ही साफ हो चुका था कि दक्षिण भारत में बीजेपी साफ और उत्तर भारत में हाफ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की कोई लहर नहीं है, युवाओं, मजदूरों में नाराजगी है। जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी जिस तरह मंदिर, मस्जिद और हिंदू-मुस्लिम की बात कर रहे हैं, उससे पता चल रहा है कि वह ध्रुवीकरण में लगे हैं। जबकि हमारे वादे जनता को पसंद आ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी 400 पार का नारा दे रही है और हम न्यूनतम मजदूरी दर 400 करने जा रहे हैं। हमारी गारंटी एक व्यक्ति की नहीं, पार्टी की गारंटी है। तेलंगाना और कर्नाटक में हमने अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अब तक जाति जनगणना पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। उन्होंने सवाल पूछा कि पीएम स्पष्ट करें कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं या नहीं? पूंजीपतियों का बड़ा कर्ज माफ हो गया, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ। कांग्रेस ने मुसलमानों को पूरा आरक्षण दिए जाने वाले बयान से किनारा कर लिया है। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस धार्मिक आधार पर आरक्षण का समर्थन नहीं करती। संविधान इसकी इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम की कुछ जातियां आरक्षण के दायरे में आती हैं, कर्नाटक में हमने आरक्षण दिया है, लेकिन धार्मिक आधार पर आरक्षण असंवैधानिक है।

बांग्लादेश के सांसद भारत में हो गए लापता, मुजफ्फरपुर में मिली आखिरी लोकेशन

पटना (एजेंसी)। इलाज के लिए भारत आए बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार लापता हो गए है। उनकी आखिरी लोकेशन बिहार के मुजफ्फरपुर में मिली है। सांसद की बेटी ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूस शाखा (डीबी) से मदद की गुहार लगाई है। बांग्लादेश के जेनैदाह-4 निर्वाचन क्षेत्र से अनवारुल अजीम अनार तीसरी बार सांसद चुने गए है।अपने पिता अनवारुल अजीम के लापता होने की खबर उनकी बेटी मुमतरीन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। और ढाका पुलिस से मदद मांगी है। बताया जा रहा है कि इलाज के लिए भारत जाने के दौरान सांसद अनवारुल अजीम लापता हो गए। इस मामले पर उनकी बेटी ने डीबी प्रमुख और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त हारुन-या-रशीद से मुलाकात की। डीबी पुलिस ने अपने बयान में कहा कि वे सांसद अजीम को खोजने के लिए भारतीय पुलिस के साथ काम कर रहे हैं।

डीबी प्रमुख ने यह भी कहा कि उन्होंने अजीम के लापता होने पर भारतीय विशेष कार्य बल से संपर्क किया है। वे इस मुद्दे पर मिलकर काम कर रहे हैं। सुनने की समस्या के इलाज के लिए अनवारुल अजीम भारत गए थे। आमतौर पर उनका एक कान बंद रहता है। वो अक्सर इलाज के लिए भारत आते रहते हैं। वहीं सांसद की बेटी का कहना है कि हम पिछले तीन दिनों से अपने पिता से फोन पर संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। कभी-कभी फोन चालू होता है और कभी-कभी बंद रहता है। और अब जल्द मैं भारत जाने की योजना बना रही हैं।सांसद अनवारुल का परिवार इस मामले में डीबी के अलावा प्रधान मंत्री कार्यालय से संपर्क भी कर चुका है। सांसद की बेटी मुमतरीन ने बताया कि प्रधान मंत्री इस मामले को देख रहे हैं। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है। मेरे पिता तीन बार निर्वाचित सांसद हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री उन्हें पसंद करते हैं। फिलहाल उनकी तलाश जारी है।डीबी चीफ हारून ने बताया कि उनके भारतीय मोबाइल फोन नंबर का अंतिम लोकेशन बिहार के मुजफ्फरपुर में मिली है। सांसद अनवारुल अजीम 12 मई को दर्शना-गेडे सीमा के जरिए भारत में दाखिल हुए थे। वहां गोपाल नाम के व्यक्ति के घर रुके। अगले दिन, वो नाश्ता करने के बाद घर से निकल गए। उन्हें शाम को घर लौटना था, लेकिन वो लौटे नहीं। यही नहीं 16 मई की सुबह, सांसद के दो मोबाइल फोन नंबरों से डीबी प्रमुख और जेनाइदाह जिला अवामी लीग के महासचिव सईदुल करीम मिंटू के फोन पर एक फोन कॉल किया गया था। लेकिन उनमें से कोई भी कॉल रिसीव नहीं कर पाया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसी बंद कर देना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों को बंद कर देना चाहिए। ये सब गैर जरुरी हैं और इनका केवल राजनैतिक उपयोग होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस आशय का प्रस्ताव इंडिया गठबंधन में भी रखेंगे। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि सीबीआई की जरूरत ही क्या है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया है। बातचीत में अखिलेश ने कहा, सीबीआई और ईडी बंद होने चाहिए...। अगर आपके साथ धोखा हुआ है, तो उससे निपटने के लिए आयकर विभाग है। आपको सीबीआई की जरूरत क्या है? जरूरत पड़े तो हर राज्य में एंटी करप्शन विभाग है। उन्होंने कहा, उनका इस्तेमाल अगर सरकार बनानी है, गिरानी करना है तो उसके लिए होता है।

उन्होंने सवाल किया कि एजेंसियों ने नोटबंदी के दौरान क्या किया गया है इसकी जांच क्यों नहीं की। उन्होंने यह भी कहा, यह मेरा प्रस्ताव है और मैं इसे इंडिया गठबंधन के सामने रखूंगा। उन्होंने चुनाव

के बाद भी कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहने की बात कही है। उन्होंने कहा, अलायंस चलेगा, चलाएंगे। और जब भी चुनाव आएगा, यह होगा...। लेकिन अभी हमारे प्रयास सरकार बनाने के लिए हैं।उन्होंने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ प्रचार किया। राहुल रायबरेली सीट से मैदान में है। इसके अलावा वह केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। अटकलें थीं कि पार्टी राहुल को फिर अमेठी से मैदान में उतार सकती है, लेकिन कांग्रेस ने केएल शर्मा को टिकट दिया। इधर, रायबरेली से सांसद रहीं सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा का रुख कर चुकी हैं।

साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने साफ कर दिया है कि सपा का कांग्रेस में कभी विलय नहीं होगा, लेकिन समर्थन देना जारी रहेगा। अखिलेश ने वरिष्ठ नेता और विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य शरद पवार के बयान को लेकर कहा, क्षेत्रीय दल हमेशा मजबूत रहेंगे और कांग्रेस को हिम्मत देंगे। दरअसल, पवार ने कहा था कि आने वाले महीनों में क्षेत्रीय दल कांग्रेस के करीब आएंगे और कुछ कांग्रेस में विलय भी कर सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि कुछ क्षेत्रीय दलों के कांग्रेस में शामिल होने की संभावनाएं कितनी हैं? तो इस पर यादव सीधा जवाब देने से बचते नजर आए। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी कभी विलय नहीं करेगी। अमेठी में भी बगैर सपा के चुनाव हो रहा है क्या? पर एक और एक ग्यारह हो गए और बीजेपी हो जाएगी नौ दो ग्यारह। क्षेत्रीय दलों की तरफ से तीसरा मोर्चा बनाने की संभावनाओं पर उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि कब क्या हो जाएगा। उन्होंने कहा, हमारी राजनीति में भाजपा विरोधी और कांग्रेस विरोधी ताकतें हमेशा रहेंगी।

केजरीवाल की बढ़ेगी परेशानी..... ईडी ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की। ईडी ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाने के लिए आवेदन किया है। ईडी ने बताया कि केजरीवाल फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं, उन्हें 2 जून को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने आवेदन को लंबित रखा है, इस पर 2 जून को सुनवाई होने की संभावना है। ईडी ने अपनी ताजा चार्जशीट में केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आबकारी नीति जांच में आरोपी बनाया है। विस्तृत आरोप पत्र दायर किया गया है। केजरीवाल मुख्य साजिशकर्ता हैं जिन्होंने दिल्ली के सीएम के रूप में अपने पद का इस्तेमाल कंपनी यानी आप द्वारा पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम) की धारा 4 के तहत दंडनीय मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध को सुविधाजनक बनाने के लिए किया।

100 साल पहले के हिसाब से आज हो रही होती दिल्ली में मानसूनी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते कुछ सालों में ग्लोबल वार्मिंग के कारण दुनिया के मौसम में व्यापक बदलाव हुआ है। बेमौसम की बारिश, भीषण गर्मी और सर्दी की बात आम हो चुकी है। दिल्ली सहित समूचा उत्तर भारत वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में है। इसी तपिश का आलम यह है कि बीते शनिवार और रविवार को दिल्ली के कई इलाकों में अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। दिल्ली के नजफगढ़ में अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा था। इसके पहले 28 मई 1988 को दिल्ली के आया नगर में अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस मापा गया था। फिर 10 जून 2019 को दिल्ली के रिज इलाके में अधिकतम तापमान 47.9 डिग्री सेल्सियस था।

दिल्ली में आमतौर पर मानसून जून के अंतिम दिनों में होती है। मौसम विभाग ने इसके नॉर्मल रहने का अनुमान जताया है। देश के मैदानी इलाकों में दक्षिण-पश्चिम मानसून का प्रवेश केरल के रास्ते होता है। केरल में इस साल इसके 31 मई के आसपास पहुंचने की संभावना है। यही दक्षिण-पश्चिम मानसून से दिल्ली की ओर आता है। यानी केरल में मानसून के आने के करीब चार सप्ताह के भीतर यह दिल्ली पहुंचता है। हालांकि, मानसून के पहुंचने से दो-चार दिन पहले संबंधित इलाकों में बारिश शुरू हो जाती है। वह प्री-मानसून बारिश होती है। यानी सामान्य परिस्थिति में दिल्ली में 20-25 जून के आसपास पहली बारिश हो जाती है।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र के मुताबिक इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के 31 मई को केरल पहुंचने का अनुमान है। यह जल्दी नहीं है। यह सामान्य तारीख के करीब है, क्योंकि केरल में मानसून की शुरुआत की सामान्य तारीख एक जून है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 150 वर्षों में केरल में मानसून की शुरुआत की तारीख में व्यापक रूप से भिन्नता रही है, जिसके तहत राज्य में मानसून ने सबसे जल्दी 11 मई, 1918 को, जबकि सबसे देरी से 18 जून, 1972 को दस्तक दी थी। आंकड़ों के अनुसार, केरल में पिछले साल आठ जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में तीन जून को और 2020 में एक जून को मानसून की शुरुआत हुई थी।

आईएमडी के आंकड़ों का विशलेषण करने पर हमें 1918 का एक डेटा मिलता है। उस वक्त केरल में मानसून 11 मई को आ गया था। इसके हिसाब से दिल्ली में यह जून के पहले हफ्ते तक दस्तक दे चुका होगा। और उससे करीब एक सप्ताह पहले प्री-मानसून बारिश भी शुरू हो चुकी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

टीके का दुष्प्रभाव

कोवैक्सीन पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के शोध पर चर्चा आसानी से शांत नहीं होने वाली है। वास्तव में दुनिया के अनेक इलाकों में कोरोना वैक्सीन के दुष्प्रभावों की जांच-पड़ताल चल रही है। दुष्प्रभावों की चर्चा करने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि वैक्सीन ने अधिकतम कारगरता के साथ कार्य किया है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान बची है, पर यह भी खास पहलू है कि किसी भी दवा के दुष्प्रभाव लोगों का ध्यान ज्यादा खींचते हैं। वैसे जब वैक्सीन का आगमन हुआ था, तब भी यह स्पष्ट था कि इसके दुष्प्रभाव या साइड इफेक्ट हो सकते हैं। कोई भी टीका इतनी जल्दी नहीं बनता है, पर कोरोना महामारी ऐसी बड़ी आपदा थी कि आनन-फानन में टीकों का आविष्कार हुआ, उन्हें सतर्कता के साथ मंजूरी मिली। एक समय था, जब दुनिया में एक बड़ी आबादी टीके मांग रही थी और आज टीकों के दुष्प्रभाव जानने को उत्सुक है। इसी कड़ी में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के शोधकर्ताओं ने अपने एक साल के अध्ययन में पाया है कि टीका लेने वाले एक तिहाई लोगों को कुछ न कुछ समस्याएं हुई हैं। अर्ब प्रारंगर नेचर जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की चर्चा विश्व स्तर पर हो रही है, तो स्वाभाविक है। ध्यान रहे, कोवैक्सीन की निर्माता भारत बायाटेक ने शोध को अपर्याप्त बताया है। वैसे ध्यान देने की बात है कि शोध में 926 लोग शामिल रहे हैं, क्या इतनी संख्या पर्याप्त है? क्या ज्यादा बड़े पैमाने पर शोध संभव है? क्या हमारे शिक्षा या शोध संस्थानों के पास इतने संसाधन हैं कि वे बड़े पैमाने पर शोध कर सकें? बेशक, ऐसे शोध के लिए योग्यता के साथ ही साहस की जरूरत होती है और बीएचयू ने यह साहस दिखाकर प्रशंसनीय कार्य किया है। बीएचयू से देश के दूसरे विश्वविद्यालयों को प्रेरणा लेनी चाहिए, इस प्रकार के न जाने कितने हजार कारगर व चर्चित शोधों की इस देश को जरूरत है। ऐसे शोध भारतीय शिक्षा संस्थानों की उपयोगिता में चार चांद लगा सकते हैं। खैर, आज के समय में सबसे बड़ी चिंता यह है कि वैक्सीन की वजह से स्ट्रोक की समस्या बढ़ी है, वैक्सीन ने हृदय को मुश्किल में डाल दिया है। बीएचयू के शोध में लगभग एक प्रतिशत लोगों ने स्ट्रोक और गुइलेन-बैरी सिंड्रोम सहित गंभीर दुष्प्रभावों की सूचना दी थी। टीका लेने के बाद किशोरों में त्वचा विकार, सामान्य विकार और तंत्रिका तंत्र विकार आम पाए गए हैं। गुइलेन-बैरी सिंड्रोम एक ऑटोइम्यून विकार है, जो हाथ और पैरों की नसों में कमजोरी का कारण बनता है। इस दिशा में ज्यादा पड़ताल जरूरी है। कुल 635 किशोरों और 291 वयस्कों पर हुए शोध में सामने आई शिकायतें महत्वपूर्ण हैं, जिन पर आगे और अध्ययन होना चाहिए। मोटे तौर किशोरों में त्वचा संबंधी विकार (10.5 प्रतिशत), सामान्य विकार (10.2 प्रतिशत) और तंत्रिका तंत्र विकार (4.7 प्रतिशत) आम दुष्प्रभाव थे। किसी ठोस चिकित्सकीय निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए इन दुष्प्रभावों के ज्यादा गहरे अध्ययन की जरूरत है? क्या कोई ऐसी दवा है, जिसका कोई दुष्प्रभाव न होता हो? अध्ययन अपनी जगह है और लोगों के बीच सावधानी व जागरूकता का विस्तार बुनियादी जरूरत है। जहां तक वैक्सीन का सवाल है, तो आगे वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि क्या वाकई सिर्फ वैक्सीन की वजह से एक तिहाई लोगों के शरीर में कोई न कोई दुष्प्रभाव हुआ है? लगातार शोध जरूरी है, ताकि दवाएं और टीके दुष्प्रभाव रहित हो जाएं।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व

महिला सुरक्षा जरुरी है राजनीती नहीं

(लेखक-संजय गोस्वामी)

आए दिनों खबरों में स्वाति मालीवाल की चर्चा खूब हो रही है और आम आदमी पार्टी के लिए किसी सदमे से कम नहीं क्योंकि अभी तो दो ही पार्टी सुर्खियों में है एक इंडि गठबंधन और बीजेपी जब से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल से निकले नहीं की इंडि गठबंधन की कमान ले लिए और जब सोनियाजी को लगा क़ोई अगला प्रधानमंत्री का दावेदार ना हो जाए उसने रायबरेली की चुनावी सभा में अपने सुपुत्र श्री राहुल गाँधी को प्रधानमंत्री के बनाने का एक इसारा कर दी ताकि जगह अब पक्की कर दें बीजेपी को एक अच्छा मुद्दा मिला जिसे भुनाने में क़ोई कसर नहीं छोड़ेगी दिल्ली में राम लीला हमेशा बड़े धूमधाम से होता है एक बार दोनों में से क़ोई देख तो लिया होता कि नारी का भगवान श्री राम कितना सम्मान करते हैं नारी शक्ति ही असल में पार्टी की बुनियाद रखेगी क्योंकि नारी की रक्षा करना सभी का दायित्व है उसके साथ सही में बुरा हुआ ऐ टीवी में देखने को मिला और यही बाद में एक एक अलग ही मुद्दा साबित होगा जो सब को हैरान कर देगा महिलाओ के अपमान के कारण हीं भगवान राम ने रावण का वध किया महाभारत में भगवान श्री कृष्ण ने कौरवो का नाश करवाया अतः यदि सही है तो सीसीटीवी फुटेज देने में क्या परेशानी है केजरीवाल जी अखिलेश जी के साथ उस प्रश्न पर क्यों सहम गए मै किसी पार्टी को पक्ष या विपक्ष में नहीं कह रहा बल्कि आगे की राजनीती में महिलाओ की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है बीजेपी ने जब बृजभूषण सरण सिंह पर चुप थी तो कर्नाटका हाथ से फिसल गया और बाद में जब समझ आया तो उससे दुरी बनाई अब इसमें राजनीती है या नहीं ऐ तो कोर्ट के फैसला से मालूम होगा लेकिन यदि स्वाति मालीवाल के साथ सही में ऐसी घटना घटी है तो दोषी को अवश्य हीं सजा देनी चाहिए देश के विकास में महिलाओं का महत्व और अधिकार के बारे में समाज में जागरुकता लाने के लिये मातृ दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आदि जैसे कई सारे कार्यक्रम सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं। महिलाओं को कई क्षेत्र में विकास की जरुरत है।बहुत पहले हमारे स्कूल मारवाड़ी हाई स्कूल जिला लेवल से पास करते हुए दिल्ली राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली में 1984 में तुलसी जयंती के अवसर पर एक भव्य नाटक का आयोजन किया गया जिसमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री भी आए थे उसका भाग था राम केवट संबाद जिसमें मुझे राम का रोल मिला और एक मित्र को केवट का हालांकि सभी हमारे मित्र थे जब श्री राम जी अयोध्या से जाते हैं तो मंत्री सुमंत उन्हें मना करते हैं तभी राम कहते हैं रघुकुल रित सदा चली आयी प्राण जाए पर, बचन ना जाए इस तरह नदी पार कराने केवट आते हैं जो सदियों से इंतजार कर रहें थे उसके बाद जो लिखा है उसीतरह का बोल प्रस्तुत होते हैं, उस समय नाटक कराने वाले स्व सुकदेव जी ने एक ऐसे दृश्य को पटल ।पर रखा जो बहुत कठिन था पूर्व जन्म में भगवान विष्णु और कछुए का समुद्र में दृश्य उसे बनाने में अच्छा रकम भी खर्च हुआ और उस सेट को सजाने में कई लोग बाहर से बुलाये गए सभी ने पूछा सर ऐ तो सिर्फ 1मिनट का है इसमें इतना टाइम क्यों दिया जा रहा है उन्होंने कहा फिल्मों में एक सेट को बनाने पर भी बहुत खर्च होता है और जब केवट पुराना याद राम को दिलाता है पर्दा बंद होता है और भगवान विष्णु का कछुए का रूप सामने आता है दर्शक तालियों से पूरा ऑडिटोरियम गूंज जाता है और कछुए को भी बहुत ही छोटे बच्चे ने गजब का करतब दिखाया और भगवान विष्णु के रूप में वही उनकी दो उभरी हुई भुजाओं में एक गदा या गदा और एक चक्र है। उनके निचले हाथों में शंख और बीज तथा अजगर पर लेटे हुए जैसे जैसे कछुवा उनके चरणों के समीप जाता है वैसे वैसे भगवान विष्णु अपना पाँव ऊपर कर लेते (उसमें पैर दबाते हुए माता लक्ष्मी) इस दृश्य को देखकर दर्शक ने खूब ताली बजाया और कछुए को प्रथम पुरस्कार मिला केवट जो यहाँ पाँव धोने से हिचकिचाहट होती थी उसने पूरा धो डाला नाटक गजब का रहा और सुबह ही पेपर में मेन पृष्ठ पर छपा मिला मुझे व केवट को द्वितीय पुरस्कार मिला अभी भी वो पल याद है जब केवट भगवान श्री राम का सबसे बड़ा स्नेही था जय श्री राम केवट संबाद उसमें अवश्य ही भगवान श्री राम केवट की धर्म पत्नी व भारत में, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे पहले समाज में उनके अधिकारों और मूल्यों को मारने वाली उन सभी राक्षसी सोच को मारना जरुरी है, जैसे - दहेज प्रथा, अशिक्षा, यौन हिंसा, असमानता, भ्रूण हत्या, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, वैश्यावृति, मानव तस्करी और ऐसे ही दूसरे विषय।आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तिकरण एक विशेष चर्चा का विषय है। हमारे आदि - ग्रंथों में नारी के महत्व को मानते हुए यहाँ तक बताया गया है कि 卐यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता-卐 अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते है। लेकिन विडम्बना तो देखिए नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तिकरण की अत्यंत आवश्यकता महसूस हो रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का अर्थ उनके आर्थिक फैसलों, आय, संपत्ति और दूसरे वस्तुओं की उपलब्धता से है, इन सुविधाओं को पाकर ही वह अपने सामाजिक स्तर को ऊँचा कर सकती हैं। अपने देश में उच्च स्तर की लैंगिक असमानता है। जहाँ महिलाएँ अपने परिवार के साथ ही बाहरी समाज के भी बुरे बर्ताव से पीड़ित है। भारत में अनपढ़ो की संख्या में महिलाएँ सबसे अव्वल है। नारी सशक्तिकरण का असली अर्थ तब समझ में आयेगा जब भारत में उन्हें अच्छी शिक्षा दी जाएगी और उन्हें इस काबिल बनाया जाएगा कि वो हर क्षेत्र में स्वतंत्र है ऐ शास्त्र में लिखा है कि दानवो के नाश करने के लिए दुर्गा माँ को देवता ने मिलकर बनाया और माता ने जब रूप धारण किया तो महिषासुर जैसे राकक्ष का वध किया 2020 में एनडीए की सरकार इसलिए बनी क्योंकि महिलाओ का काफ़ी वोट पड़ा जिसमें प्रधानमंत्री जी ने जंगलराज के बारे में बताया था अतः उससमय महिलाओ के साथ बदशलूकी की काफ़ी घटना मिलती थी ऐसे में महिला एक साइलेन वोटर के रूप में उभरी थी और उसमें पुरुषो के भी वोट पड़े थे क्योंकि उनकी भी बहन बेटियां हैं जो फ्री के लालच में नहीं सुरक्षा देखती है इसमें केजरीवाल जी को कुछ तो बोलना और उचित कार्यवाही करनी चाहिए जहाँ तक सीएम से एप्याटमेंट की बात है वो तो पहले कहते थे हमें कुछ नहीं चाहिए हम आम आदमी है किसी से मिल लेंगे कुछ नहीं रखेंगे और देश की रक्षा करेंगे जब आप एक महिला के ऊपर हुए अत्त्याचार पर चुप हैं तो शक गहराता है अतः ऐ चुनाव में महिलाओ को बिलकुल नजरअंदाज ना करें उसका सम्मान करें और सही बात से अवगत कराएँ। महिला सुरक्षा जरुरी है राजनीती नहीं क़ोई आएगा तो क़ोई जायेगा लेकिन देश में महिलाओ का सम्मान होना चाहिए।

जरूरी है आतंकवाद के फन को कुचलना

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (21 मई) पर विशेष)

जम्मू कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है, देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी वाहन में आतंकी निर्दोषों के लहू से होली खेलकर आनंदित होते रहे हैं। पिछले कई वर्षों से देश आतंकवाद का यह खामियाजा भुगत रहा है, जिसके कारण अभी तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं, अनेक परिवार तबाह हो चुके हैं, बच्चे अनाथ हुए हैं, बहुत सी माएं-बहनें विधवा हो गई तो कहीं बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी इसी आतंकवाद ने छीन ली। दरअसल आतंकवादी ऐसी वहशी घटनाओं को अंजाम देकर और किसी भी तरह का खूनखराबा करके आम लोगों के मन में भय पैदा करना चाहते हैं। उनके ऐसे घिनौने कृत्यों से न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवार एक ही झटके में बर्बाद हो जाते हैं। आतंकवाद रूपी इसी भयानक समस्या से निपटने के लिए भारत द्वारा 21 मई का दिन 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। यह दिवस वास्तव में उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाई और यह उन हजारों सैनिकों के बलिदान का सम्मान भी करता है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी। राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की आधिकारिक घोषणा 21 मई 1991 को भारत के सातवें प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद की गई थी, जो लिट्टे के एक आतंकवादी अभियान के दौरान तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में मारे गए थे। राजीव गांधी श्रीपेरंबदूर में एक रैली को संबोधित करने गए थे, जहां लिट्टे से संबंधित एक महिला आतंकी अपने कपड़ों में विस्फोटक छिपाकर उनके पैर छूने के बहाने नीचे झुकी तो जबरदस्त बम धमाके में राजीव गांधी सहित करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी। राजीव गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन वी.पी. सिंह सरकार द्वारा 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिवस को मनाने का अहम उद्देश्य यही है कि देश में आतंकवाद, हिंसा के खतरे और उनके समाज, लोगों तथा देश पर पड़ने वाले खतरनाक असर के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए। इस दिन सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों तथा अन्य संस्थानों में आतंकवाद विरोधी शपथ यही दिलाई जाती है कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते है तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम रखने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं।

देश में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार के सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, उनके चलते देशभर में आतंकी घटनाओं में कमी दर्ज की जा रही है लेकिन विशेषकर जम्मू कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान के पाले-पोसे भाड़े के टट्टू मासूम लोगों के खून से होली खेलने को लालायित रहते हैं। हालांकि बीते कुछ वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव यही है कि सुरक्षा बलों के हमारे जांबाज लगभग आए दिन, शोपियां हो या कुपवाड़ा अथवा घाटी का अन्य कोई क्षेत्र, कहीं न कहीं मुठभेड़ों में दुर्दान्त आतंकियों को ढ़ेर कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सुरक्षा बलों द्वारा सैंकड़ों कुख्यात आतंकियों को कुत्ते की मौत मारा जा चुका है। आतंकियों के खिलाफ चल रहे सुरक्षा बलों के अभियान के चलते इस वर्ष भी अब तक दर्जनों आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें कुछ विदेशी आतंकी भी शामिल थे। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद से घाटी में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में सर्वाधिक आतंकवादी मारे गए हैं। हालांकि शोपियां, कुलगाम, पुलवामा जैसे क्षेत्रों में आतंकी समूहों द्वारा स्थानीय युवकों की भर्ती के मामले भी सामने आते रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा मुठभेड़ें भी यहीं हुई। सीआरपीएफ के अनुसार जम्मू कश्मीर में इस समय 91 आतंकी सक्रिय हैं लेकिन सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण पिछले कुछ समय में एनकाउंटर में कई आतंकियों का सफाया किया गया तथा एलओसी के पास घुसपैठ की दर्जनभर कोशिशें भी नाकाम की गईं।

जम्मू कश्मीर में युवाओं के आतंकी संगठनों में भर्ती का मुद्दा सुरक्षा बलों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा है लेकिन राहत की बात यह है कि युवाओं को आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करने के चलते आतंकी संगठनों में स्थानीय स्तर पर अब भर्तियां काफी कम हो रही हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठनों में स्थानीय लोगों की भर्ती बीते वर्ष उससे पहले के वर्षों के मुकाबले बहुत कम हुई यानी घाटी में स्थानीय लोगों का झुकाव आतंकी संगठनों की ओर कम हो रहा है और इसका सीधा सा अर्थ है कि जम्मू कश्मीर में भी अब आतंकवादियों की कमर तोड़ने में सफलता मिल रही है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक दुश्मन की ओर से संघर्ष विराम के उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिश या किसी अन्य दुस्साहसिक प्रयास का कड़ाई से जवाब दिया जा रहा है। वैसे सैन्य अधिकारियों का स्पष्ट तौर पर कहना है कि आतंकवाद रोधी सख्त अभियान तब तक पूरी ताकत से चलेगा, जब तक कि घाटी में सक्रिय तमाम आतंकवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देते या मार नहीं दिए जाते। अधिकारियों के मुताबिक शांति के फायदे लोगों तक पहुंचने से वे अब शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। बहरहाल, देश के कोने-कोने में लोगों को इस दिशा में जागरूक करना ही समय की सबसे बड़ी मांग है कि आतंकवादी संगठनों के दुष्कृत्यों से लोगों के जान-माल तथा समाज का कितना बड़ा नुकसान होता है और अब आतंकवाद के फन को कुचलने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने ही होंगे।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

भारत ईरान का बंदरगाह समझौता और तृतीय विश्व युद्ध की आशंका

(लेखक - सनत जैन)

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हवाई दुर्घटना में हो गई है। उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ। 17 घंटे के बाद हेलीकॉप्टर का मलमा मिला। राष्ट्रपति इब्राहिम, विदेश मंत्री हुसैन, पूर्वी अजरबेजान प्रांत के गवर्नर और अंगरक्षक हेलीकॉप्टर पर सवार थे। दुर्घटना के लगभग 20 घंटे के बाद ईरान सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर ईरान के राष्ट्रपति और उनके साथ जो लोग सवार थे, उनकी मौत की पुष्टि की है। ईरान के राष्ट्रपति अमेरिका में बने बेल 212 हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे। हेलीकॉप्टर को खोजने में लगभग 17 घंटे का समय लगा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घने कोहरे के कारण शायद आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। ड्रोन फुटेज में जंगल में आग जलती हुई नजर आई। उसके बाद हेलीकॉप्टर मिला जो पूरी तरह से तबाह हो चुका था। यह दुर्घटना ऐसे समय पर हुई है जब ईरान के राष्ट्रपति रईसी और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में पिछले महीने ही ईरान ने जबरदस्त ड्रोन और मिसाइल से इजराइल पर हमला किया था। कुछ दिन पहले भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को लेकर एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार ईरान के चाबहार बंदरगाह का स्वामित्व एवं संचालन का अनुबंध भारत की कंपनी के साथ किया गया था। ईरान के ऊपर अमेरिका ने कई वर्ष पहले से प्रतिबंध लगा रखे थे। इस समझौते के बाद भारत का खाडी के देशों और रूस के बीच समुद्री परिवहन निर्वाध रूप से होने लगता। इसका लाभ ईरान को भी मिलता। अमेरिका के लिए यह सबसे बड़ा धक्का था। इस समझौते के बाद ही आशंका व्यक्त की जा रही थी की विश्व स्तर पर अब कुछ ना कुछ बड़ा घटने जा रहा है। समझौते के ठीक एक सप्ताह के अंदर ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री का हवाई दुर्घटना में मौत हो जाना सामान्य दुर्घटना नहीं माना जा सकता है। इसके पीछे साजशि की आशंका बताई जा रही है। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। नाटो देश और अमेरिका यूक्रेन का साथ दे रहा है। इसी बीच इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू हो गया। अमेरिका, इजराइल को लड़ाई में हर संभव समर्थन दे रहा है। ईरान का जब इजराइल पर हमला हुआ, उसके बाद से स्थिति विस्फोटक होती जा रही थी। इजराइल से ईरान के ऊपर कोई बड़े हमले की आशंका बनी हुई थी। ईरान के राष्ट्रपति ने पिछले महीने पाकिस्तान का दौरा किया था। वहां से लौटने के बाद भारत के साथ बंदरगाह और रोड बनाने का समझौता ईरान ने किया। इस समझौते ने आग में घी डालने का काम किया। वैश्विक स्तर पर रूस और चीन, अमेरिका के मुकाबले में एक साथ खड़े हुए हैं। उत्तर कोरिया भी इसमें शामिल है। अमेरिका भारत और पाकिस्तान में से किसी एक को अपनी ओर खड़ा करना चाहता है। अमेरिका का समर्थन भारत वैसा नहीं कर रहा है, जैसा अमेरिका चाहता है। जिसके कारण अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है। आर्थिक रूप से पाकिस्तान की हालत बहुत खराब है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान सॉफ्ट टारगेट है। इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ उनकी कैबिनेट के मंत्रियों ने विद्रोह कर दिया है। गाजा के साथ युद्ध को लेकर कैबिनेट मंत्रियों ने नेतन्याहू को इस्तीफा देने की चेतावनी दे दी है। रूस और चीन मिलकर अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दे रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 2 साल से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। रूस के ऊपर जो अमेरिकी प्रतिबंध लगाए थे। इसका असर रूस और ईरान पर नहीं हुआ। रूस और चीन के मित्र देश एक नया वैश्विक समीकरण तैयार कर चुके हैं। उत्तर कोरिया आणविक हथियारों के साथ रूस और चीन के साथ सहयोग कर रहा है। वर्तमान स्थिति में भारत की विदेश नीति और कूटनीति दोनों ही बड़ी खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक लाभ को देखते हुए, सामरिक स्थिति पर ध्यान नहीं दिया। रूस से सस्ते में कच्चा तेल लिया। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी ईरान के साथ व्यापार जारी रखा। चीन के साथ भारत के व्यापारिक रिश्ते चरम सीमा पर हैं। भारतीय सीमा पर चीन की दादागिरी का शिकार भारत हो रहा है। अमेरिका वर्तमान स्थिति में भारत और पाकिस्तान को अपना मोहरा बनाना चाहता है। वैश्विक शक्तियों के चक्रव्यूह में भारत बुरी तरह से फंस गया है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के सिद्धांत और निर्गुट देश के रूप में भारत की जो साख बनाई थी, पिछले 10 वर्षों में भारत ने व्यापार को ध्यान में रखते हुए, एक ही मियान पर चार तलवारें रखने का जो जोखिम उठाया है, उसके दुष्परिणाम निकट भविष्य में सामने आ सकते हैं।

फिजी में स्टारलिंक की इंटरनेट सेवा शुरू: एलन मस्क

वाशिंगटन । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सोमवार को कहा कि स्टारलिंक की इंटरनेट सेवाएं अब फिजी में भी शुरू हो गई हैं। एक दिन पहले ही स्टारलिंक की ओर से इंडोनेशिया में इंटरनेट सेवाएं शुरू की गई थी। मस्क ने इस मौके पर कहा कि दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की सेवाएं पहुंचने से शिक्षा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, स्टारलिंक की सेवाएं अब फिजी में मौजूद हैं। स्टारलिंक हाई-स्पीड इंटरनेट सर्विस फिजी के 300 से ज्यादा आईलैंड पर उपलब्ध है। फिजी 99 वां देश है, जहां स्टारलिंक की इंटरनेट सेवाएं शुरू हुई हैं। बीते रविवार को मस्क की ओर से इंडोनेशिया में स्टारलिंक की इंटरनेट सेवाओं को लॉन्च किया गया था। मस्क ने इस दौरान कहा कि अब पूरे देश में इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके शुरू होने से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में आसानी होगी और इंडोनेशिया का तेजी से विकास होगा। इंडोनेशिया में मस्क ने 10वीं वर्ल्ड वाटर फोरम में भी हिस्सा लिया। साथ ही श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और स्टारलिंक की सेवाएं श्रीलंका में शुरू करने को लेकर चर्चा की।

योटा डेटा सर्विस ने अनिल पवार को मुख्य एआई अधिकारी बनाया

मुंबई । डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सर्विसेज उपलब्ध कराने वाली कंपनी योटा डेटा सर्विस ने सोमवार को अनिल पवार को मुख्य एआई अधिकारी और एआई क्लाउड बिजनेस के प्रमुख के पद पर नियुक्त किया। पवार शक्ति क्लाउड बिजनेस यूनिट के तहत एआई-एस-ए-सर्विस (एआईएएएस), एआई प्लेटफॉर्म -एस-ए-सर्विस (एआईपीएएएस), एआई सॉफ्टवेयर-एस-ए-सर्विस (एआईएसएएएस) और लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एएलएम) का कार्यभार सभालेंगे। पवार ने कहा` कि मैं अत्याधुनिक समाधान देने और शक्ति एआई क्लाउड बिजनेस यूनिट में विकास को बढ़ावा देने के लिए योटा की प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं, साथ ही स्थानीय स्तर पर योटा के इंजीनियरों की मदद करने और वैश्विक स्तर पर डिलीवरी करने के लिए तत्पर हूं। एनवीडिया के एच100 टेनसॉर कोर जीपीयू से युक्त शक्ति क्लाउड, भारत का सबसे तेज और बड़ा एआई-एचपीसी सुपर कंप्यूटर है। योटा, रियल एस्टेट ग्रुप हीरानंदानी का हिस्सा है। यह पनवेल (नवी मुंबई) और ग्रेटर नोएडा (दिल्ली एनसीआर) में हायपर स्केल डेटा सेंटर पार्क चलाता है।

पेट्रोल-डीजल यूपी सहित कई राज्यों में हुआ महंगा

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो गई है। बिहार में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 107.17 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 93.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल की कीमत 15 पैसे बढ़कर 94.52 और डीजल की कीमत 18 पैसे बढ़कर 87.59 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, पुडुचेरी, तामिलनाडु और उत्तराखंड में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल के दाम घट गए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.88 रुपये और डीजल 92.47 रुपये प्रति लीटर है।

म्युचुअल फंड ने इस साल शेयरों में 1.3 लाख करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड उद्योग (एमएफ) ने इस साल भारतीय शेयरों में लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यह वृद्धि मुख्य रूप से खुदरा निवेशकों के बढ़े हुए भरोसे और शेयर बाजार के मजबूत प्रदर्शन के चलते हुई। ट्रेडजिनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि म्यूचुअल फंड भारतीय बाजार की अंतर्निहित वृद्धि क्षमता को प्राथमिकता देते हैं और चुनाव जैसी अल्पकालिक घटनाओं से कम प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली लोगों और उद्योग के दिग्गजों के आश्चर्यजनक उदाहरणों के कारण व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे निवेशक, जो आमतौर पर बाजारों से दूर रहना चाहते हैं, उन्होंने म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश करना शुरू किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू महीने के पहले पखवाड़े में म्यूचुअल फंड ने 26,038 करोड़ रुपये और

अप्रैल में 20,155 करोड़ रुपये का निवेश किया। म्यूचुअल फंड ने 2024 में सबसे अधिक खरीदारी मार्च में की और इस दौरान शुद्ध निवेश 44,233 करोड़ रुपये रहा। उन्होंने फरवरी में 14,295 करोड़ रुपये और जनवरी में 23,010 करोड़ रुपये का निवेश किया। आंकड़ों के मुताबिक इक्विटी में म्यूचुअल फंड का निवेश 2024 में (16 मई तक) लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

पीएनबी हाउसिंग को ऋण में 17 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली । पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस को उम्मीद है कि शाखा नेटवर्क में वृद्धि और किफायती आवास ऋण को बढ़ावा देने के चलते चालू वित्त वर्ष के दौरान उसकी ऋण वृद्धि 17 प्रतिशत रहेगी। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी के पास इस उच्च वृद्धि को बनाए रखने के लिए पर्याप्त पूंजी है। उन्होंने कहा कि अगले 2-3 साल के लिए हमें पूंजी की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमने पिछले साल ही राइट इश्यू के जरिए पूंजी जुटाई थी। कंपनी ने पिछले साल राइट इश्यू से करीब 2,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। उन्होंने कहा कि पीएनबी हाउसिंग का ऋण पोर्टफोलियो बीते वित्त वर्ष के दौरान 63,000 करोड़ रुपये था और इसे इस साल 17 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

हिंदुस्तान जिंक ने पिछले 50 दिन में 100 फीसदी दिया मल्टीबैगर रिटर्न

मुंबई । वेदांता समूह की मेटल कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयर जोरदार मल्टीबैगर रिटर्न दे रहे हैं। शनिवार के विशेष कारोबारी सत्र में इसके शेयर में 6.24 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। विशेष कारोबारी सत्र में इसके शेयर 619.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। उम्मीद यह भी की जा रही है कि मंगलवार को बाजार खुलने के बाद इनमें तेजी बरकरार रह सकती है। खास बात यह है कि हिंदुस्तान जिंक का शेयर पिछले 50 दिनों में 100 फीसदी से भी अधिक मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार करीब 2,52,124 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण वाली मेटल कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयर ने 52 सप्ताह में अपना नया रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इसके पीछे मुख्य कारण चौथी तिमाही के नतीजे, कंपनी का मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और रिकॉर्ड उत्पादन के आंकड़े हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2023 को समाप्त हुई वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में हिंदुस्तान जिंक का राजस्व 7,067 करोड़ रुपये से करीब 3 फीसदी बढ़कर 7,285 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके अलावा, तीसरी तिमाही में ही कंपनी का शुद्ध लाभ में 1 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान इसका मुनाफा 2,028 करोड़ रुपये से बढ़कर 2038 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि हिंदुस्तान जिंक ने तीसरी तिमाही में रिफाइन मेटल का रिकॉर्ड 273 किलोटन का उत्पादन किया है। यह पिछली तिमाही के आधार पर 6 फीसदी और सालाना आधार पर 1 फीसदी अधिक है।

4 जून के बाद तेजी से दौड़ेंगे शेयर बाजार: पीएम मोदी

- पूरे हफ्ते ट्रेडिंग करने वाले थक जाएंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 4 जून को चुनाव के पे रिणाम आने के बाद घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ कारोबार करेंगे। उन्होंने एक टेलीविजन चैनल पर साक्षात्कार में यह भरोसा जताया। मोदी ने कहा कि जिस दिन चुनाव के नतीजे आएंगे, उस दिन और उस पूरे हफ्ते ट्रेडिंग करने वाले थक जाएंगे। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि मौजूदा सरकार की प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी का भरोसा जताने के बावजूद बाजार चुनावी नतीजों के बारे में घबरा तो नहीं रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सबसे ज्यादा आर्थिक सुधार किए हैं और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाली आर्थिक नीतियां लागू की हैं। हमारी सरकार आई तो सेंसेक्स 25,000 अंकों पर था और आज यह 75,000 अंक तक पहुंच गया है। आम आदमी शेयर बाजारों में जितना ज्यादा निवेश करेगा, अर्थव्यवस्था के लिए उतना अच्छा रहेगा। हर नागरिक की जोखिम लेने की भूख भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों के शेयर भी आजकल दौड़ रहे हैं। विश्लेषकों ने कहा कि प्रधानमंत्री का बयान भरोसा दिलाता है कि यही गठबंधन सत्ता में रहेगा। उन्होंने कहा कि बाजार तब तक ज्यादा नहीं बढ़ेंगे, जब तक उन्हें हरकत में लाने वाली कोई घोषणा नहीं की जाती। अल्फानीति फिनटेक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह बयान बाजार के बारे में नहीं है। यह तगड़े बहुमत के साथ सत्ता में वापसी के सत्तारूढ़ पार्टी के भरोसे को ज्यादा बयान करता है। बाजार किसी भी राजनीतिक बयान पर तब तक गंभीर नहीं होते, जब तक उसके साथ किसी क्षेत्र के लिए कोई नीति लागू नहीं की जाती या रकम आवंटित नहीं की जाती। मोदी का शेयर बाजार में तेजी का

यह दावा बाजार में स्थिरता के संबंध में सरकार के तीन वरिष्ठ मंत्रियों के आश्वासन के बाद आया है। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अलग-अलग मौकों पर कहा था कि बाजार में हालिया उठापटक चुनावों के कारण है और नतीजों के बाद बाजार फिर से छलांग लगाने लगेगा।

अमित शाह ने कहा था कि बाजार बीते समय में तेजी से गिरा है और इसका कारण इस चुनाव को बताना उचित नहीं है। शाह ने कहा कि अगर बाजार थोड़ा बहुत अटकलों पर चलता है तो निवेशकों को हम यही सलाह देंगे कि शेयर खरीदें क्योंकि 4 जून के बाद इसमें तेजी आने जा रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एक कार्यक्रम में कहा था कि उन्हें चुनाव के नतीजों के बारे में पूरा भरोसा है और नतीजे करीब आते ही बाजार में उठापटक कम हो जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज के एक कार्यक्रम में मंगलवार को कहा था कि वित्तीय बाजार कराधान और नीतियों के मामले में स्थिरता पसंद करता है और चुनावी नतीजों के बारे में बाजार को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

अमेरिकी बाजार से दवाएं वापस मंगा रही हैं देश की दग्गज फार्मा कंपनियां

- दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग में खामियां पाये जाने का मामला

नई दिल्ली ।

भारतीय मसालों के बाद अब देश के फार्मा सेक्टर के लिए भी दिक्कतें बढ़ रही हैं। डॉक्टर रेड्डीज लैबोट्रीज, सन फार्मा और अरबिंदो फार्मा जैसी दिग्गज भारतीय फार्मास्युटिकल्स कंपनियां अपनी अलग-अलग दवाओं को अमेरिकी बाजार से वापस ले रही हैं। इनकी मैन्युफैक्चरिंग में खामियां पाई गई हैं। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने इन रिकॉल्स को क्लास-1 और क्लास-2 के रूप में वर्गीकृत किया है। उसने भारत से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता जताई है। जेनेरिक दवाओं का मतलब किसी ब्रांडेड मेडिसिन के फॉर्मूले के आधार पर दूसरी दवा बनाना, जो काफी सस्ती होती है। भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे निर्माता और निर्यातक है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज जावीगटोर के करीब 20,000 डिब्बे वापस मंगा रही है। यह फेनिलकेटोनुरिया वाले मरीजों में हाइपरफेनिलएलनिनमिया के इलाज के लिए इस्तेमाल होती है। देश की सबसे बड़ी जेनेरिक दवा निर्माता सन फार्मा एम्फोटेरिसिन बी लिपोसोम की 11,000 से अधिक शीशियों को वापस ले रहा है। यह इंजेक्शन एंटीफंगल का इलाज करता है। लेकिन अमेरिकी ड्रग रेगुलेटर ने अपनी जांच में पाया कि सन फार्मा के इंजेक्शन की गुणवत्ता सही नहीं है। अरबिंदो फार्मा क्लोराजेपेट डिपोटेशियम टैबलेट की 13,000 से अधिक बॉटल वापस ले रहा है। यह एंटी-एंग्जायटी दवा है यानी इसे तनाव कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अरबिंदो फार्मा की इन गोलियों पर बिंदीदार पीले धब्बे थे, जिसके चलते उसे दवा मंगानी पड़ रही है। वहीं एफडीसी लिमिटेड गड़बड़ कंटेनर की वजह से ग्लूकोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाले आई-ड्रॉप टिमोलोल मैलेट ऑप्थेलमिक सॉल्यूशन की 3,80,000 से अधिक यूनिट को वापस ले रही है। ग्लूकोमा आंखों से जुड़ी समस्या है। इसके मरीज की आंखों में अधिक दबाव होने की वजह से आंख को दिमाग से जोड़ने वाली तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो जाती है।

चीन ने बोइंग डिफेंस सहित तीन अमेरिकी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली । चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बोइंग डिफेंस समेत तीन अमेरिकी कंपनियों से आयात और निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्रालय ने जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स को अपनी अविश्वसनीय संस्थाओं की सूची में डाल दिया और कहा कि उसने ताइवान को हथियार बेचे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स के साथ-साथ बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी पर भी प्रतिबंध लगाए गए। ये कंपनियां चीन में नया निवेश नहीं कर पाएंगी। कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को अब चीन में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उनके वर्क परमिट को उनके आगंतुक और आवासीय स्थिति के साथ रद्द कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने घोषणा की कि उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए संबंधित आवेदनों को भी मंजूरी नहीं दी जाएगी। चीन ने यह कदम बाइडन प्रशासन द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरी, कंप्यूटर चिप्स और चिकित्सा उत्पादों सहित कई चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने के बाद उठाया है।

अमेरिका में भारत से 100 गुना ज्यादा एयरपोर्ट

नई दिल्ली ।

पिछले दस साल में देश में एयरपोर्ट्स की संख्या लगभग दोगुना हो चुकी है। लेकिन भारत की एविएशन इंडस्ट्री को अभी लंबा रास्ता तय करना है। ये दि भारत की तुलना अमे रिका से की जाए तो अमेरिका में 14,000 से अधिक एयरपोर्ट्स हैं जबकि भारत में यह संख्या अभी करीब 150 है। यह स्थिति भी तब है जब सरकार ने दिश में एयर ट्रैवल का इन्फास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए पूरा जोर लगा रखा है। भारत की आबादी 1.4 अरब है और हमारे पास 500 विमान हैं। दूसरी ओर अमेरिका की आबादी करीब 33 करोड़ है। अमेरिका की एक एयरलाइन साउथवेस्थ एयरलाइन के पास 1000 से अधिक विमान हैं जबकि यह अमेरिका की सबसे बड़ी एयरलाइन नहीं है। अगर हमें अमेरिका की एक एयरलाइन के साथ मुकाबला करना है तो विमानों की संख्या दोगुना करनी होगी। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो है। यह रोजाना 1,800 से अधिक उड़ाने संचालित करती है। देश के घरेलू बाजार में इसकी 58 फीसदी हिस्सेदारी है। लेकिन दुनिया में रोजाना उड़ान संख्या के हिसाब से देखें तो इंडिगो आठवें नंबर पर है। दुनिया की सबसे बिजी एयरलाइंस में से चार अमेरिका की हैं। टॉप 10 की बात करें तो इसमें चीन की तीन एयरलाइन कंपनियां शामिल हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर अमेरिकन एयरलाइन है जो रोजाना 5,483 उड़ानें संचालित करती है। दूसरे नंबर पर अमेरिका की डेल्टा एयरलाइंस है। यह कंपनी रोजाना 4,629 उड़ानें संचालित करती है। तीसरे नंबर पर अमेरिका की ही यूनाइटेड एयरलाइंस रोजाना 4,213 ऑपरेट करती है। अमेरिका की साउथवेस्ट एयरलाइंस रोजाना 4,080 उड़ानें संचालित करती हैं जो इंडिगो से करीब ढाई गुना ज्यादा है।

ट्विटर डॉट कॉम हो गया अब एक्स डॉट कॉम

एलन मस्क ने खुद इस बारे में दी जानकारी

नई दिल्ली ।

साल 2022 में एलन मस्क द्वारा खरीदे गए सोशल मीडिया प्लेटफार्म को पूरी तरह बदल डाला है। बहुत सारे फीचर तो पहले ही बदल गए थे, एक डोमेन का नाम ही बचा था, उसे भी अब बदल दिया गया है। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने खुद इस बारे में लोगों को जानकारी दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अब सभी कोर सिस्टम एक्स डॉट कॉम पर हैं। एक और जानकारी ये है कि एक्स के लॉगिन पेज के नीचे अब एक मैसेज भी दिखाई दे रहा है जिसमें लिखा है, 'हम आपको बता रहे हैं कि हम अपना यूआरएल बदल रहे हैं, लेकिन आपकी प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग्स वही रहेंगी।'गौरतलब है कि एलन मस्क ने अक्टूबर 2022 में माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीदा था। उन्होंने इसे खरीदने के लिए 44 बिलियन डॉलर दिए थे। एलन मस्क ने जैसे कि ट्विटर को टेकओवर किया, उसी समय से प्लेटफार्म में काफी बदलाव किए जा चुके हैं।पहले ब्लू टिक फ्री में मिलता था, मगर एलन मस्क ने उसे पेड कर दिया। यदि आप लैपटॉप या कंप्यूटर यूजर हैं तो ब्लू सब्सक्रिप्शन 650 रुपये महीने में मिलेगा। अब पोस्ट पढ़ने की लिमिट भी लगा दी गई है। एक सामान्य यूजर एक दिन में केवल एक हजार पोस्ट ही देख सकता है। पेड सब्सक्रिप्शन लेने वाले एक दिन में 10 हजार पोस्ट पढ़ सकते हैं।मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपये है। पहले बिना की सब्सक्रिप्शन के यूजर ट्वीट को एडिट कर सकते थे, मगर अब नहीं कर सकते।

हिंदुजा एक बार फिर ब्रिटेन के सबसे अमीर व्यक्ति बने

- 48 देशों में फैला है कारोबार

नई दिल्ली ।

हिंदुजा ग्रुप के भारतीय मूल के चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा एक बार फिर ब्रिटेन के सबसे अमीर व्यक्ति बने हैं। यह लगातार छठा मौका है जब हिंदुजा परिवार ने बाजी मारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुजा परिवार की नेटवर्थ 37.196 अरब पाउंड है। पिछले एक साल के दौरान इस परिवार की नेटवर्थ में 2.196 अरब पाउंड का इजाफा हुआ है। दोस्तों के बीच जीपी के नाम से मशहूर गोपीचंद हिंदुजा का जन्म 1940 में भारत में हुआ था और वह हिंदुजा ऑटोमोटिव लिमिटेड के मुखिया है। पिछले साल बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा की मौत के बाद वह हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन बने थे। गोपीचंद ने मुंबई के जैन हिंद कॉलेज से 1959 में ग्रेजुएशन किया। हिंदुजा परिवार की नींव परमानंद हिंदुजा ने 1914 में रखी थी। लेकिन गोपीचंद और उनके भाइयों ने इसे ऊंचाइयों पर पहुंचाया। आज इस ग्रुप का कारोबार ऑटो, आईटी, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट, ऑयल एंड स्पेशिएल्टी केमिकल्स, बैंकिंग एंड फाइनेंस, पावर जेनरेशन, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर सहित कई सेक्टर्स में फैला है। इसी ग्रुप ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई है। हिंदुजा ग्रुप की स्थापना सिंध के शिकारपुर शहर के रहने वाले युवा उद्यमी परमानंद दीपचंद हिंदुजा ने 1914 में की थी। 1919 में कंपनी ने ईरान में अपना ऑफिस खोला। इसके बाद अगले 60 साल तक ईरान ही इस कंपनी का हेडक्वार्टर रहा। लेकिन 1979 में इस्लामिक क्रांति के कारण ईरान के शाह का पतन हो गया। इस उथलपुथल के बीच हिंदुजा ग्रुप ने अपना हेडक्वार्टर ईरान से बाहर ले जाने का फैसला किया। ग्रुप का अगला ठिकाना था ब्रिटेन की राजधानी लंदन। इस ग्रुप की शुरुआत मर्चेंट बैंकिंग और ट्रेड से हुई थी। आज हिंदुजा ग्रुप का कारोबार 48 देशों में फैला है और इसमें 150,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। भारत में इस ग्रुप की छह लिस्टेड कंपनियां हैं। इनमें ऑटो कंपनी अशोक लीलैंड्स और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। साल 1971 में परमानंद दीपचंद के निधन के बाद उनके चार बेटों ने हिंदुजा ग्रुप के कारोबार को पूरी दुनिया में फैलाया। हिंदुजा भाइयों में श्रीचंद पी हिंदुजा सबसे बड़े थे जिनका पिछले साल 87 साल की उम्र में निधन हो गया।

टाटा मोटर्स नए प्रोडक्ट्स और टेक्नोलॉजी पर करेगी बड़ा निवेश

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स नए प्रोटक्ट्स और टेक्नोलॉजी पर बड़ा निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 में नई गाड़ियों और टेक्नोलॉजी पर 43,000 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। ये राशि पिछले साल के 41,200 करोड़ रुपये से थोड़ी ज्यादा है। इस रो शि का ज्यादातर हिस्सा, करीब 35,000 करोड़ रुपये, टाटा मोटर्स की ब्रिटिश कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर खर्च किया जाएगा। पिछले साल जेएलआर पर 33,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। टाटा मोटर्स ग्रुप ने नए उत्पादों और प्रौद्योगिकी पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए निवेश लक्ष्य को बढ़ाया है। इस निवेश में सबसे अधिक हिस्सा समूह की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को होगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में टाटा मोटर्स समूह ने जेएलआर के लिए तीन अरब पाउंड (लगभग 30,000 करोड़ रुपये) और टाटा मोटर्स के लिए 8,000 करोड़ रुपये का निवेश तय किया था। इस तरह यह कुल मिलाकर यह 38,000 करोड़ रुपये होता है। टाटा मोटर्स समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बीते वित्त वर्ष में जेएलआर का निवेश 33,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जबकि टाटा मोटर्स का निवेश 8,200 करोड़ रुपये से अधिक रहा। इस तरह बीते वित्त वर्ष में समूह का कुल निवेश 41,200 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की बात करें, तो जेएलआर के लिए निवेश 35,000 करोड़ रुपये रहेगा। इसकी वजह यह है कि हम कई उत्पादों के लिए योजनाएं लेकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा` कि टाटा मोटर्स के लिए हमारा निवेश 8,000 करोड़ रुपये के दायरे में रहेगा।

आईपीएल के पहले क्वालीफायर में आज होगा केकेआर और सनराइजर्स में मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल के पहले क्वालीफायर मुकाबले में मंगलवार को कप्तान श्रेयस अय्यर की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला पैट कमिंस की सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। ये मुकाबला बेहतर रोमांचक होना तय है क्योंकि केकेआर जहां लगातार जीत से अंक तालिका में शीर्ष पर रही है। वहीं सनराइजर्स ने लीग मुकाबलों में तूफानी बल्लेबाजी से विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। केकेआर जहां सबसे पहले प्लेआफ में पहुंची। वहीं सनराइजर्स ने अंतिम लीग मैच में जीत के साथ यहां तक का सफर तय किया है। इस सत्र में पिछले मैच में केकेआर ने सनराइजर्स को चार रन से हराया था। इससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

इन दोनो ही टीमों का लक्ष्य क्वालीफायर मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। दोनो ही टीमों के पास काफी अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर प्लेऑफ से पहले मैदान पर अभ्यास का अधिक अवसर नहीं मिलने से भी टीम को परेशानी होगी। लंबा सफर तय कर पहुंची इन दोनो ही टीमों केकेआर और सनराइजर्स को हालात के अनुकूल ढलने के लिए अधिक समय नहीं मिला है।

सनराइजर्स ने हालांकि पूरा मैच खेलकर पंजाब को हराया पर केकेआर और राजस्थान रॉयल्स का मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। केकेआर ने अपना पिछला पूरा मैच 11 मई को खेला था। बारिश की बाधा से पहले केकेआर ने लगातार चार मैच जीते थे वहीं पिछले दो मैच बारिश के कारण नहीं हो पाये थे। वहीं शीर्ष पर कायम केकेआर को विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट ने इस सत्र में जमकर रन बनाये हैं पर टी20 विश्व कप को देखते हुए वह इंग्लैंड लौट गए हैं। साल्ट और सुनील नारायण ने केकेआर को इस सत्र में अच्छी शुरुआत की है।

मध्यक्रम में केकेआर की परेशानी कप्तान अय्यर का लय में नहीं होना है हालांकि अन्य खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन से टीम को परेशानी नहीं हुई। रॉयल्स के खिलाफ मैच में बारिश होने से साल्ट की जगह टीम में आये रहमानुल्लाह गुरबाज को भी अभ्यास का अवसर नहीं मिल सका जिससे भी उनका

प्रदर्शन प्रभावित होगा। केकेआर को नीतिश राणा और आंद्रे रसेल से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं सनराइजर्स की ताकत उसकी बल्लेबाजी है। उसके पास ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे तूफानी सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों ने इस सत्र में अब तक 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अब तक एक शतक तथा चार अर्धशतक लगाये हैं। इसके अलावा टीम के पास अभिषेक जैसे बल्लेबाज है। जिससे अभी तक रिकार्ड 41 छक्के लगाये हैं।

सनराइजर्स के पास तीसरे नंबर पर राहुल त्रिपाठी जैसा भरोसेमंद बल्लेबाज है। इसके अलावा हेनरिच क्लासेन भी फॉर्म में आ गये हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अहमदाबाद में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को अधिक सफलता मिलती रही है। इसमें छह में से चार बाद लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम सफल रही है। वहीं केकेआर के पास मिचेल स्टार्क जैसा शीर्ष स्तर का तेज गेंदबाजों के साथ बेहतरीन स्पिनर हैं तो सनराइजर्स की गेंदबाजी की अगुवाई कप्तान पैट कमिंस कर रहे हैं।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, नितीश रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेट कीपर), अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, संवीर सिंह, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, मयंक मार्कंडे।

कोलकाता नाइट राइडर्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेट कीपर), सुनील नरेन, वेंकटेश अय्यर, नितीश राणा, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, मिशेल स्टार्क, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

मलेशिया मास्टर्स में खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगी पीवी सिंधू

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। ब्रेक से लौटी पी वी सिंधू पेरिस ओलंपिक से पहले यहां मंगलवार से शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत दर्ज करके अपना मनोबल ऊंचा करने के इरादे से उतरेगी। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया।

अब वापसी करते हुए उनका लक्ष्य इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला एकल में अच्छा प्रदर्शन करने का होगा। वह पिछले साल अक्टूबर में घुटने की चोट से उबरने के बाद से फॉर्म में नहीं है। ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी सिंधू का रिटर्न पहले की तरह नहीं रहा है और कई करीबी मुकाबले वह हार गई हैं। वह छह प्रतिस्पर्धाओं में से दो में ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी हैं।

पिछली बार वह 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीती थी। पहले दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से होगा। इस टूर्नामेंट में एंग सि यंग, चेन यू फेइ, अकाने यामागुची और कैरोलिना मारिन जैसे सितारे भाग नहीं ले रहे हैं। सिंधू का सामना युवा खिलाड़ियों से होगा जो पहले भी उन्हें परेशान कर चुके हैं। अष्मिता चालिहा, आकृषि कश्यप और मालविका बंसोड भी अच्छे नतीजे देना चाहेंगी।

पुरूष वर्ग में किरण जॉर्ज अकेले भारतीय हैं जो जापान के ताकुमा ओबायाशी से पहला मैच खेलेंगे। थाईलैंड ओपन चैम्पियन सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी यह टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं। पुरूष युगल में कृष्णा प्रसाद गारागा और साई प्रतीक के की जोड़ी उतरेगी। मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी के अलावा सतीश कुमार के और आद्या वरियाथ खेलेंगे।

बारिश के कारण क्वालीफायर मुकाबला नहीं हुआ तो भी फाइनल में पहुंचेगी केकेआर

अहमदाबाद (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले आईपीएल क्वालिफायर मुकाबले में बारिश होती है तो भी केकेआर बिना खेले ही फाइनल में पहुंच सकती है। इसका कारण है कि केकेआर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची है जबकि राजस्थान की टीम तीसरे नंबर पर फिसल गयी है। सनराइजर्स को दूसरा स्थान मिला है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) चौथे नंबर पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची है। लीग मैच में जिस प्रकार बारिश हुई हैं। उससे क्वालिफायर मुकाबलों पर भी बारिश का साया मंडराने लगा है। अगर ऐसा हुआ तो मुकाबले को कम से कम 5-5 ओवर का कर देंगे। अगर ऐसा संभव नहीं हो पाया तो परिणाम सुपर ओवर के जरिए निकलेगा। वहीं बारिश के कारण अगर सुपर ओवर भी नहीं हो पाता है तो अंक तालिका में फाइनल में पहुंचने का फैसला अंक तालिका के आधार पर है। इसमें केकेआर शीर्ष पर होने के कारण फाइनल में पहुंच जाएगी। आईपीएल में लीग मैच के बाद अंक तालिका में शीर्ष दो पर रहने वाली टीमों के बीच ही क्वालीफायर मुकाबला खेला जाता है। इसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है जबकि हारने वाली टीम को तीसरे और चौथे नंबर की टीम के विजेता से खेलने का अवसर मिलता है।

रोहित शर्मा और स्टार स्पोर्ट्स विवाद, आईपीएल ब्रॉडकास्टर ने जारी किया बयान

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने सोमवार को रोहित शर्मा से जुड़ी किसी भी निजी बातचीत के ऑडियो को प्रसारित करने से इनकार किया है। रविवार को भारतीय कप्तान ने चैनल पर रिकॉर्डिंग बंद करने के उनके अनुरोध के बावजूद उनकी गोपनीयता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। रोहित शर्मा का आईपीएल मैच से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के अभिषेक नायर के साथ बातचीत का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया था। इसके बाद लखनऊ के खिलाफ उन्होंने प्रैक्टिस के दौरान रिकॉर्ड किए जा रहे ऑडियो को ब्रॉडकास्टर्स से बंद करने के लिए कहा था। इसके बाद रविवार को उन्होंने चैनल पर निजी बातचीत को प्रसारित कनरे का आरोप लगाया था। रोहित शर्मा ने ट्वीट कर कहा था कि, क्रिकेटरों की

जिंदगी इतनी दखलंदाजी वाली हो गई है कि कैमरे अब हमारे हर कदम और बातचीत को रिकॉर्ड कर रहे हैं जो हम अपने दोस्तों और सहकर्मियों के साथ, ट्रेनिंग के दौरान या मैच के दिनों में अकेले में कर रहे हैं। वहीं जवाब में चैनल ने एक बयान जारी कर रोहित शर्मा के आरोप से इनकार किया है। दरअसल, चैनल ने कहा कि, ये क्लिप 16 मई को वानखेड़े स्टेडियम में एक ट्रेनिंग सत्र के दौरान ली गई थी, जदिसके लिए स्टार स्पोर्ट्स को अधिकृत पहुंच प्राप्त थी, जिसमें वरिष्ठ खिलाड़ी को अपने दोस्तों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया था। इस बातचीत का कोई ऑडियो न तो रिकॉर्ड किया गया था और ना ही प्रसारित किया गया था। चैनल ने आगे कहा कि, वह क्लिप, जिसमें केवल वरिष्ठ खिलाड़ी को अपनी बातचीत का ऑडियो रिकॉर्ड न करने का अनुरोध करते हुए दिखाया गया था, स्टार स्पोर्ट्स की प्री-मैच तैयारियों के लाइव कवरेज में दिखाया गया था और इसके अलावा संपादकीय प्रासंगिकता का अभाव था।

दीप्ति ने विश्व पैरा चैम्पियनशिप में 400 मीटर टी20 में विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

कोबे (जापान) - भारत की दीप्ति जीवनजी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 रेस में 55.07 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। दीप्ति ने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क का 55.12 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जो उसने पिछले साल पेरिस में बनाया था। तुर्की की एसिल ओंडेर 55.19 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि एक्वाडोर की लिजांशेला एंगुलो 56.68 सेकंड का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रही। दीप्ति ने रविवार को एशियाई रिकॉर्ड समय 56.18 सेकंड के साथ अपनी हीट रेस जीती थी। टी20 वर्ग की रेस बौद्धिक रूप से अक्षम खिलाड़ियों के लिए है। योगेश कथुनिया ने पुरूषों के एफ 56 वर्ग चक्का फेंक में 41.80 मीटर के साथ रजत पदक जीता। भारत ने अब तक एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत लिए हैं।

टी20 विश्व कप में आईपीएल की तरह बड़े स्कोर नहीं बनेंगे : शिखर

मुंबई। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि टी20 विश्वकप में आईपीएल की तरह बड़े स्कोर नहीं बनेंगे क्योंकि इसमें 'इम्पैक्ट प्लेयर का नियम नहीं है। 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम होने से दोनो ही टीमों के पास एक अतिरिक्त बल्लेबाज या एक गेंदबाज खिलाने का अधिकार होता है। ऐसे में कई टीमें आईपीएल में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहीं। इससे आईपीएल में 8 बार 250 से ज्यादा रन बने। 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर कई दिग्गजों ने सवाल उठाते हुए कहा था कि इससे गेंद और बल्ले में संतुलन बिगड़ा है। इसके साथ ही खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुकता जा रहा है। धवन ने कहा कि मुझे लगता है इस नियम के आने के बाद खेल काफी बदल गया है और अब 250 रन से अधिक बन रहे हैं। ऐसे में विश्व कप से पहले टीम को अपनी मानसिकता बदलनी होगी क्योंकि वहां 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होगा और इसका असर खेल पर दिखेगा। इससे खेल में अंतर पैदा होगा। इसलिए सबसे अहम हमें हालातों से तालमेल बैठाना सीखना होगा। धवन ने कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम आने के आने के बाद से ही हमारी सोच बदल गई है। मध्यक्रम के बल्लेबाज के दिमाग में रहता है कि आठवें और नौवें नंबर तक बल्लेबाजी हैं। ऐसे में दबाव के बिना ही वह आक्रामक रुख अपनाते हैं। इसी कारण बड़े स्कोर बनते है पर विश्वकप में हालात अलग तरीके के होंगे।

टी20 विश्व कप के लिए आस्ट्रेलिया के रिजर्व खिलाड़ी होंगे ये दो आक्रामक बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली = आक्रामक बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगुर्क और मैथ्यू शॉर्ट एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए आस्ट्रेलिया के रिजर्व खिलाड़ी होंगे। 22 वर्ष के मैकगुर्क ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया है।

अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सके मैकगुर्क को टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास शीर्ष तीन स्थानों के लिए डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल मार्श पहले से हैं। बल्लेबाजी हरफनमौला शॉर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले 14 में से नौ टी20 मैच खेले हैं। इनमें से पांच में उन्होंने पारी का आगाज किया और पिछले दो सत्र में वह बिग बैश लीग भी खेल चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 'ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने सुझाव दिया था कि विश्व कप में एक रिजर्व साथ लेकर जायेंगे लेकिन अब वे शॉर्ट के साथ फ्रेसर मैकगुर्क को भी ले जा रहे हैं।' ऑस्ट्रेलियाई टीम बृहस्पतिवार को वेस्टइंडीज रवाना होगी। उसे त्रिनिदाद में 28 और 30 मई को नामीबिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलने हैं। हेड, कैमरन ग्रीन, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल आईपीएल प्लेऑफ खेलने के बाद टीम से जुड़ेंगे। ऑस्ट्रेलिया को पांच जून को बारबाडोस में ओमान के खिलाफ पहला मैच खेलना है।

पूर्व क्रिकेटर कैफ को इन टीमों के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

मुम्बइ। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में भारत, न्यूजीलैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में से कोई एक टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। टी20 विश्व कप के लिए भारत और पाक को के ग्रुप ए में रखा गया है और दोनों ही टीमों के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला भी है। 138 आधिकारिक मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कैफ का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज में चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल दिख रहा है। कैफ ने कहा कि किसी तरह न्यूजीलैंड ने शीर्ष 4 में जगह बना ली है, आईसीसी आयोजनों में आप उन्हें ख़ारिज नहीं कर सकते इसलिए न्यूजीलैंड को जोड़ें। मुझे लगता है कि वेस्ट इंडीज चूंकि अपने घर में खेल रही है इसलिए घरेलू मैदान पर वह एक खतरनाक टीम हो सकती है। मुझे नहीं पता कि शायद ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान में से कोई एक आ सकता है। अगर पाकिस्तान के साथ फाइनल आता है तो अच्छा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में एक साथ कुल सात मैच खेले हैं जहां टीम इंडिया 6 बार विजयी हुई है। पाकिस्तान को एकमात्र जीत 2021 में मिली थी। बहरहाल, कैफ का मानना है कि भारत के पास 2022 के मुकाबले बेहतर टीम है। कैफ ने कहा कि पिछली बार की तुलना में हमारे पास काफी बेहतर गेंदबाजी आक्रमण है, हमारे पास चहल थे लेकिन हम उन्हें पहले एकादश में नहीं खिला सके। इस साल हमारे पास कुलदीप यादव हैं, हमारे पास अक्षर पटेल, जडेजा हैं, अच्छे स्पिनर हैं। सभी अनुभवी और विकेट लेने वाले खिलाड़ी अपने दिन पर खेल बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह पिछले साल नहीं खेले थे, वह खेलेंगे, मुझे लगता है कि वह इस विश्व कप में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने जा रहे हैं।

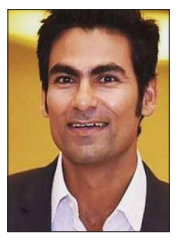

हरभजन चाहते हैं टी20 विश्वकप में रोहित और यशस्वी करें पारी की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा को भारत के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिए जबकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को तीसरे नंबर पर आना चाहिए। हरभजन ने कहा कि शीर्ष स्तर पर बाएं-दाएं संयोजन ठीक रहेगा। यदि 6 से 7 ओवर खेले जाते हैं और ऐसे में यदि हमारे पास शिवम दुबे जैसा खिलाड़ी है, तो वह नंबर 3 पर आ सकता है। इसलिए विराट 4 नंबर पर उतरें। साथ ही कहा कि कोहली एक महान खिलाड़ी हैं , वह किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं पर टीम हित पहले आता है। वह भी इस बात से ही सहमत होंगे।

यशस्वी और रोहित की जोड़ी टेस्ट में बेहद सफल रही है हालांकि इस आईपीएल में ये दोनो ही कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। रोहित के साथ ओपनर के तौर पर विराट कोहली भी एक विकल्प हो सकते हैं। विराट आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते हुए शानदार खेल दिखाते हुए 700 से अधिक रन बनाये हैं। इसमें एक शतक भी शामिल है। हालांकि, विराट टीम इंडिया के लिए लंबे समय से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए आए हैं। भारतीय टीम पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पायी है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस बार जीत दर्ज करना रहेगा। इसको देखते हुए शायद ही बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का जोखित लिया जाये।

भारतीय फुटबॉल टीम कुवैत और कतर से खेलेगी क्वालीफायर मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम जून में कुवैत और कतर के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर मुकाबलों में उतरेगी। इसके लिए आजकल टीम अभ्यास शिविर में अपनी कमजोरियों को दूर करने में लगी है। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें पिछले महीने गुवाहाटी में अफगानिस्तान से मिली 1-2 की हार से उबरना और अपनी गलतियों को सुधारना भी होगा। भारतीय टीम छह जून को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दो जून को कोलकाता जाएगी। भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा, ''कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम दो जून को कोलकाता जाएगी। भारतीय टीम चार मैचों के बाद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। वहीं छह मैचों के बाद दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी। कुवैत का सामना करने के बाद भारतीय टीम 11 जून को ग्रुप चरण के अंतिम मैच के लिए कतर जाएगी। एआईएफएफ को उम्मीद है कि भारतीय टीम क्वालीफायर मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

आईपीएल से संन्यास पर अंतिम फैसले से पहले कुछ महीनों तक इंतजार करेंगे धोनी !

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की हार के बाद के बाद से ही अटकलें लगायी जा रही हैं कि अब टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने संन्यास का फैसला टाल दिया है। आईपीएल 2024 में अंतिम लीग मुकाबले में धोनी ने टीम को जीत दिलाने के काफी प्रयास किये थे पर वह सफल नहीं हुए। इससे चेन्नई प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पाई इस तरह धोनी चेपॉक में अपना आखिरी आईपीएल मैच खेलने के वादे को पूरा नहीं कर सके। इस हार के बाद धोनी आईपीएल छोड़कर अपने घर के लिए रवाना होने वाले पहले क्रिकेटर थे। वैसे सीएसके खेमे में यह भी कहा जा रहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार शायद धोनी की आखिरी हार नहीं होगी। धोनी ने सीएसके में किसी को नहीं बताया है कि वह आईपीएल छोड़ रहे हैं। उन्होंने प्रबंधन से कहा है कि वह संन्यास पर अंतिम फैसला लेने से पहले कुछ महीनों तक इंतजार करेंगे।

वहीं सीएसके प्रबंधन को उम्मीद है कि धोनी एक और आईपीएल खेल सकते है। इसके पीछे बड़ी वजह धोनी की अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग फॉर्म है। अंतिम लीग में उन्होंने 200 के करीब की स्ट्राइक-रेट से 25 रन बनाए। धोनी ने चार ओवर तक बल्लेबाजी की और विकेटों के बीच दौड़ने में सहज थे। धोनी जिस फटी हुई पिंडली के साथ खेल रहे थे, वो इंजरी भी धीरे-धीरे ठीक हो रही थी। विकेटों के बीच दौड़ने में उन्हें कोई असुविधा भी नहीं हो रही थी। अब अगले साल होने वाली मेगा नीलामी में टीम अधिकतम पांच खिलाड़ियों को ही बरकरार रख सकती है। ऐसे में सीएसके रुतुराज गायकवाड़, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे और मथीशा पथिराना को रिटेन करेगी। वहीं धोनी नीलामी में जाकर बेहद महंगे बिकने की बजाय सबसे कम फीस स्लॉट में बरकरार रह सकते हैं। वह चेन्नई के लिए इम्पैक्ट खिलाड़ी की भूमिका भी निभा सकते हैं। अब देखना होगा कि क्या बीसीसीआई अगले आईपीएल के लिए इम्पैक्ट सब नियम को बनाये रखती है या समाप्त कर देती है। यह नियम धोनी को आखिरी दो ओवरों के लिए खुद को बचाए रखते हुए एक्स्ट्रा बल्लेबाज खिलाने में मदद करता है।

पोंटिंग के पास हैं एक हजार बल्ले

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने अब तक जिस बल्ले से भी शतक लगाया था। उसे अपने पास संभाल के रखा है। यहां तक कि उन्होंने उस पर विरोधी टीम का नाम और स्कोर भी लिखा हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने वह पहला बल्ला भी संभाल के रखा है जिससे मैंने पहला शतक लगाया था। इस पर स्टीकर भी लगे हुए हैं। मेरे घर पर करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम तक लिखा है। इस पूर्व कप्तान ने भारतीय टीम के खिलाफ साल 2003 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में नाबाद 140 रन बनाये थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चे के गेमिंग एडिक्शन छुड़वाने के लिए अपनाएं यह टिप्स

बच्चों को गेम खेलना काफी पसंद होता है। लेकिन यह देखने में आता है कि बच्चे आउटडोर गेम खेलने की जगह ऑनलाइन गेमिंग या फिर फोन में ऐप इंस्टॉल करके गेम खेलने को अधिक प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, इस तरह गेम खेलना उनके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इससे ना केवल उनकी आंखों पर असर पड़ता है, बल्कि लगातार बैठे रहने से बच्चों को मोटापा व अन्य कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो जाती है। साथ ही साथ, अगर उन्हें गेमिंग एडिक्शन हो जाता है, तो इसे छुड़वाना काफी कठिन हो जाता है।

हालांकि, ऐसे कई बच्चे हैं, जो लगातार फोन में गेम खेलते हुए इस हद तक एडिक्ट हो चुके हैं कि इसका असर उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर साफतौर पर नजर आने लगा है। हो सकता है कि आपके बच्चे का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो। तो ऐसे में आपको परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। आज इस लेख में आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बच्चे के गेमिंग एडिक्शन को आसानी से दूर कर सकते हैं

एकदम से ना छीनें गेम

अगर बच्चा ऑनलाइन गेम खेल रहा है तो आपको इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि आप उससे कभी भी एकदम से फोन या गेम नहीं छीनना चाहिए। इससे अक्सर बच्चे गुस्सैल हो जाते हैं और हो सकता है कि वह आपकी बात ना माने या फिर तोड़-फोड़ भी करें। इसलिए, आपको उनका ध्यान धीरे से भटकारा चाहिए। इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप पहले एक-दो मिनट के लिए उसके गेम में इंटरस्ट दिखाए। उसके बाद आप धीरे से उसे किसी अन्य बातों में लगाएं और उसका ध्यान भटकाने का प्रयास करें।

बोरियत करें खत्म

अमूमन यह देखने में आता है कि बच्चे ऑनलाइन गेमिंग के एडिक्ट इसलिए हो जाते हैं, क्योंकि उनके पास पर्याप्त समय होता है और उन्हें समझ ही नहीं आता कि वह अपने समय को किस तरह व्यय करें। ऐसे में वह फोन में गेम की तरफ झुकते हैं। इसलिए आपको इस बात की कोशिश करनी चाहिए कि आप उनकी बोरियत को दूर करने के लिए अन्य प्रयास करें। इसके लिए, आप उनकी दोस्ती अन्य बच्चों से करवाएं। साथ ही उन्हें कुछ ऐसे नए गेम लेकर दें, जिसमें उनकी फिजिकल एक्टिविटी हो सके। इतना ही नहीं, आप उन्हें बिजी रखने के लिए उन्हें किसी एक्टिविटी क्लॉस भी ज्वॉइन करवा सकती हैं। जब उनके पास पर्याप्त समय ही नहीं होगा, तो धीरे-धीरे उनका एडिक्शन कम होने लगेगा।

दें समय

किसी भी बच्चे के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है उसके माता-पिता का समय। लेकिन आज के समय में अधिकतर पैरेंट्स बहुत अधिक बिजी रहते हैं और इसलिए, वह बच्चों के हाथों में फोन पकड़ा देते हैं। इसलिए आप कोशिश करें कि आप अपने बच्चे को फोन देने के स्थान पर उसे समय दें। जब आप अपना समय उन्हें देते हैं तो बच्चे गेम खेलने से ज्यादा आपके साथ समय बिताना व मस्ती करना पसंद करेंगे।

नकारात्मक पहलू समझाएं

अगर बच्चा उम्र में बड़ा है तो ऐसे में आप इस उपाय को भी अपना सकती हैं। आप उसे जबरदस्ती गेम छीनने या गुस्सा करने के स्थान पर लंबे समय तक गेम खेलने के नकारात्मक पहलुओं के बारे में बताएं। आज के समय में बच्चा कोई भी काम तभी करना पसंद करता है, जब उसे उसकी पूरी जानकारी हो। इसलिए आप उसके नेगेटिव इफेक्ट समझाएं। साथ ही, उसका स्क्रीन टाइम भी सेट करें।

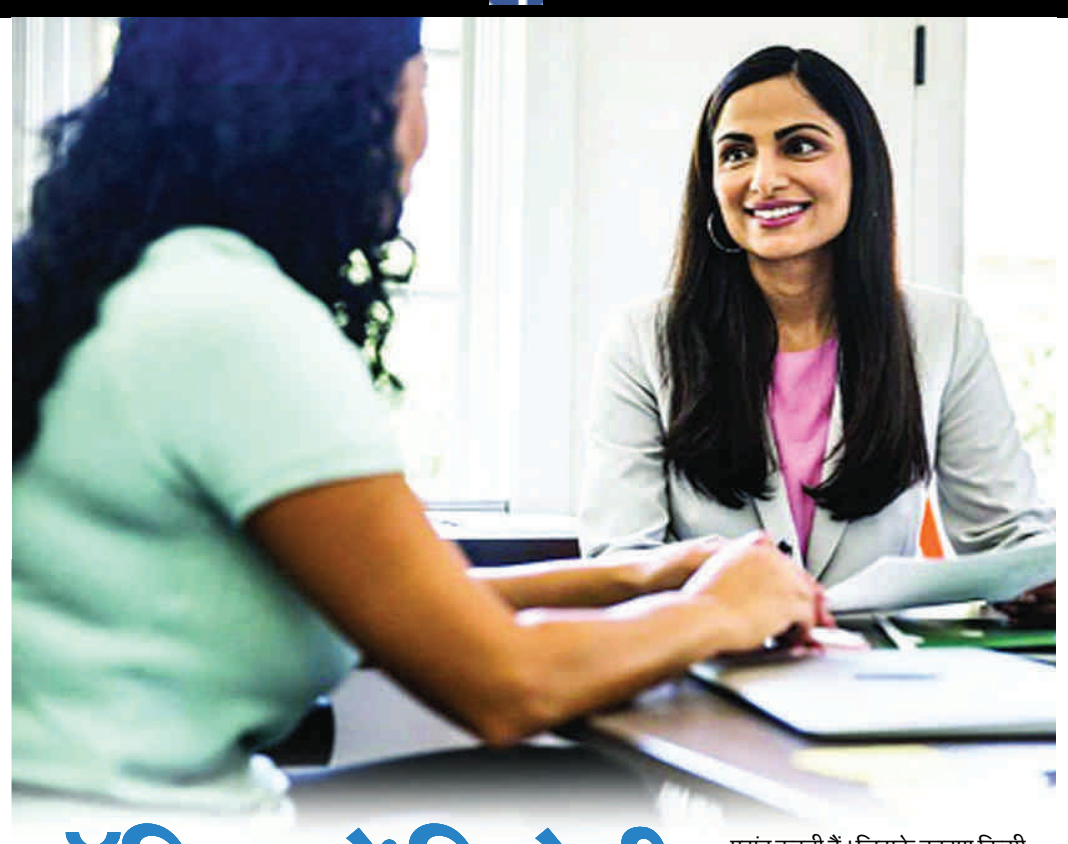

ऑफिस में मिलेगी आपके काम को तवज्जो, अपनाएं यह ट्रिक्स

अगर ऑफिस में कड़ी मेहनत करने के बाद भी आपको ऑफिस में कोई भी नोटिस नहीं करता है तो आप इन आसान ट्रिक्स को अपनाने के बाद सबकी नजरों में आसानी से आ सकती हैं।

यह तो हम सभी जानते हैं कि सफलता की पहली सीढ़ी मेहनत ही है। सिर्फ मेहनत ही वह चाबी है, जिसके जरिए आप सफलता का ताला खोल सकती हैं। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपनी लाइफ में सक्सेसफुल होने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। ऑफिस में आप अपना सारा काम समय पर और बेहतर तरीके से पूरा करती हों, लेकिन फिर भी आपको कोई भी नोटिस न करता हो तो। यकीनन आपको बुरा ही नहीं लगेगा। आज के समय में अगर आपको सफल होना है तो यह जरूरी है कि आप हार्ड वर्क के साथ-साथ स्मार्ट वर्क भी करें।

अगर आप सिर्फ मेहनत और ईमानदारी से अपना काम करती हैं और उसे कोई नोटिस ही नहीं करता तो आपके लिए सफलता प्राप्त करना बेहद कठिन हो जाएगा। इसलिए मेहनत करने के साथ-साथ आपको इस बात का भी ख्याल रखना है कि ऑफिस में आपके सहकर्मी खासतौर से आपके सीनियर्स व बॉस आपके गुणों व काम की अहमियत को पहचानें, क्योंकि जब उन्हें ऐसा महसूस होगा कि आप उनके ऑफिस के लिए बेहद जरूरी हैं, तभी वह आपको महत्व देंगे और आपके लिए सफल होने के रास्ते बनेंगे। तो चलिए आज हम आपको ऐसी कुछ आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑफिस में सबकी नजरों में आ सकती हैं और ऑफिस वर्कर्स आपके काम को तवज्जो देने लगेंगे

नए प्रोजेक्ट में हों शामिल

अक्सर देखने में आता है कि जिन स्किल्ड लोगों को ऑफिस में नोटिस नहीं किया जाता, उसकी मुख्य वजह होती है कि उन्हें काम करने की सही स्ट्रैटेजी के बारे में नहीं पता होता। मसलन, अगर कंपनी के पास कोई नया प्रोजेक्ट आया है तो आप आगे बढ़कर उसकी जिम्मेदारी मांगे। अमूमन ऐसे लोग पीछे रहते हैं और जब किसी दूसरे को प्रोजेक्ट लीडर बना दिया जाता है तो आप सिर्फ मेहनत ही करती रह जाती हैं और आपकी मेहनत का सारा क्रेडिट प्रोजेक्ट लीडर को मिल जाता है।

बोलें बिजनेस मीटिंग्स में

जो महिलाएं ऑफिस में कड़ी मेहनत करती हैं, उन्हें कंपनी को बेहतर बनाने के कुछ यूनिक आईडियाज के बारे में पता होता है, लेकिन फिर भी वह बिजनेस मीटिंग्स में नहीं बोलतीं। कई बार वह सोचती हैं कि ना जाने उनका आईडिया दूसरों को कैसा लगे और कई बार वह घबराहट और डर के कारण चुप रहना ही पसंद करती हैं। जिसके कारण किसी का ध्यान उन पर नहीं जाता। इसलिए बिजनेस मीटिंग्स में बोलने की कोशिश करें। भले ही आपका आईडिया किसी को पसंद न आए लेकिन जब आप अपने विचार सभी के समक्ष पेश करती हैं तो इससे लोग आपको नोटिस करते हैं। साथ ही इससे उन्हें यह भी पता चलता है कि आप अपने ऑफिस रिस्पान्सिबिलिटी से अलग भी कंपनी को बेहतर बनाने के बारे में सोचती हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स से रहें दूर

ऑफिस में अगर आपको अपनी अच्छी इमेज बनानी है तो कभी भी ऑफिस पॉलिटिक्स का हिस्सा न बनें। इससे कुछ समय के लिए आपको भले ही फायदा मिल जाए, लेकिन लॉन्ग टर्म में यह आपकी इमेज को खराब करेगा और इससे आपके करियर को नुकसान ही पहुंचेगा। इसलिए कभी भी ऑफिस में किसी ग्रुप का हिस्सा न बनें। कोशिश करें कि आपके रिश्ते ऑफिस में सभी से बेहतर हों।

सोशल मीडिया का सहारा

यह भी ऑफिस में नोटिस किए जाने का एक अच्छा आईडिया है। आप अपने सोशल अकांउट से अपने ऑफिस वर्क व अपनी कंपनी के नए प्रोजेक्ट्स के बारे में लोगों को बताएं। साथ ही उनके लिंक्स ऑफिस में अपने सीनियर्स व अन्य सभी के साथ शेयर करें। ऐसा करने से आपके सीनियर्स आपको नोटिस करते हैं। साथ ही वह यह भी देखते हैं कि कंपनी की बेहतरी के लिए आप पर्सनल लेवल पर भी मेहनत कर रही हैं। इसका एक अच्छा रिवर्ट आपको जरूर मिलता है।

नाश्ते में बनाएं पनीर रेसिपीज

पनीर एक ऐसी डिश है, जिसे चाहे किसी भी रूप में खाया जाए, यह उतनी ही डिलिशियस लगती है। आमतौर पर, यह देखने में आता है कि लोग पनीर को या तो सब्जी के रूप में खाना पसंद करते हैं या फिर उसे अपने इवनिंग स्नैक्स का हिस्सा बनाते हैं। जबकि यह एक बेहद ही वर्सेटाइल फूड इंग्रीडिएंट है और इसलिए आपके पास इसके साथ एक्सपेरिमेंट करने के आइडियाज भी कम नहीं है। पनीर को प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत माना जाता है और हर मील में आपको प्रोटीन को जगह अवश्य देनी चाहिए। इसलिए, अगर आप अपने दिन को एक किकस्टार्ट देना चाहती हैं तो ऐसे में ब्रेकफास्ट में पनीर का सेवन करना अच्छा विचार हो सकता है। इतना ही नहीं, आप पनीर के परांठे से अलग भी कई रेसिपीज को अपने ब्रेकफास्ट का हिस्सा बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पनीर की कुछ ऐसी रेसिपीज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें पनीर की मदद से तैयार किया जा सकता है-

पनीर चीज़ टोस्ट

पनीर और चीज़ की मदद से बनने वाले इस टोस्ट को आप हर दिन नाश्ते में बनाना और खाना पसंद करेंगी। इसे बनाना भी बेहद आसान है।

आवश्यक सामग्री

- 2 चम्मच मक्खन
- 1 छोटा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- एक चौथाई कप बारीक कटा प्याज
- एक चौथाई कप बारीक कटी शिमला मिर्च
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- एक चौथाई छोटा चम्मच गरम मसाला
- एक चौथाई छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1 कप कद्दूकस किया हुआ पनीर
- नमक
- अन्य सामग्री
- ब्रेड स्लाइस
- 1 कप कद्दूकस किया हुआ मोज़रेला चीज़ (रेसिपी)
- रेड चिली फ्लेक्स
- मिक्स हर्ब्स

टोस्ट बनाने का तरीका

- सबसे पहले पनीर को कद्दूकस या क्रम्बल करके एक तरफ रख दें।
- अब एक पैन में 2 चम्मच मक्खन डालकर हल्का गरम करें।
- मक्खन के पिघलने पर इसमें 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और हल्का भूनें।
- अब इसमें प्याज और शिमला मिर्च डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला पाउडर डालकर मिक्स करते हुए चलाएं।
- अब इसमें कद्दूकस पनीर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर आंच बंद कर दें।
- अंत में स्वादानुसार नमक डालकर एक बार फिर से मिक्स करें।
- अब बारी आती है सैंडविच बनाने की। इसके लिए 1 कप मोजरेला चीज को कद्दूकस कर लें और एक तरफ रख दें।
- ब्रेड स्लाइस लें। एक भारी तवे पर थोड़ा सा मक्खन या तेल फैलाएं। इस दौरान आंच को लो रखें।
- फिर उस पर ब्रेड के टुकड़े रख दें। आप तवा या पैन के आकार के आधार पर एक बार में 2 से 3 ब्रेड स्लाइस रख सकते हैं।
- ब्रेड स्लाइस को हल्का टोस्ट करें और फिर पलट दें।
- अब पनीर की स्टफिंग ब्रेड स्लाइस के ऊपर डालें।
- साथ ही, कसा हुआ चीज़ डालें।
- आंच को सबसे कम रखें। पनीर चीज टोस्ट स्लाइस पर ढक्कन लगाकर उसे कवर कर दें।
- चीज़ के पिघलने और ब्रेड स्लाइस को अच्छी तरह से भूनने तक पकाएं।
- एक स्पैटुला की मदद से टोस्ट को तवे से हटाएं।
- अब आप इसे सर्विंग प्लेट पर रखें।
- आप इसे रेड चिली फ्लेक्स और हर्ब्स स्प्रिंकल करके सर्व करें।

पनीर पैटीज़

पनीर पैटीज़ एक आसान और झटपट बनने वाला नाश्ता हैजिसे आप पनीर के अलावा उबले हुए आलू, कॉर्नफ्लोर और कुछ मसालों के साथ आसानी से बना सकती हैं।

आवश्यक सामग्री

- 4 से 5 आलू उबले हुए
- पनीर
- आधा छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच कॉर्नफ्लोर
- आवश्यकतानुसार नमक
- आवश्यकतानुसार तेल या घी

बनाने का तरीका

- सबसे पहले आलूओं को अच्छी तरह धोकर थोड़ा नमक और पानी के साथ उबालें।
- अब आलू को ठंडा होने दें। फिर इन्हें छीलकर एक बाउल में आलू मैशर या फोर्क से मैश कर लें।
- अब पनीर को कद्दूकस कर लें और मसले हुए आलू में मिला दें।
- साथ ही काली मिर्च पाउडर, कॉर्नफ्लोर और आवश्यकतानुसार नमक डालें।
- मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें। इसमें कोई गांठ नहीं होनी चाहिए।
- अब इस मिश्रण का कुछ हिस्सा अपने हाथों में लें। उन्हें बॉल्स में आकार दें और फिर उन्हें चपटा करें।
- इसी तरह सारे मिश्रण की पनीर पैटी (रेसिपी) बनाकर तैयार कर लें।

- अब एक तवा गरम करें। तवा गरम हो जाने पर इसमें 2 से 3 टेबल स्पून तेल या घी डाल कर चमचे या चमचे से फैला दीजिए।
- पैटीज़ को तवे पर रखें और मीडियम-लो से मीडियम आंच पर पनीर पैटी को सुनहरा भूरा होने तक तलें।
- एक तरफ से सुनहरा होने पर इन्हें पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और करारे होने तक तलें।
- तली हुई टिक्की को अब्सॉर्बेंट नैपकिन पर रखें ताकि अतिरिक्त तेल सोख ले।
- पनीर पैटीज़ को टोमेटो कैचप या पुदीने की चटनी या धनिये की चटनी या इमली की चटनी के साथ परोसें।

इस तरह कैरी करें बेल्ट बैग, दिखेंगी बेहद स्टाइलिश

बैग्स हर महिला की एसेसरीज का एक हिस्सा है। आपको मार्केट में कई डिफरेंट स्टाइल के बैग्स मिल जाएंगे। इनमें छोटे पार्टीवियर क्लच से लेकर ओवरसाइज्ड हैंगबैग जैसी एक वाइड रेंज मौजूद हैं। अमूमन देखने में आता है कि महिलाएं अलग-अलग ओकेजन के अनुसार, डिफरेंट स्टाइल बैग खरीदती हैं।

यकीनन डिफरेंट लुक पाने का बैग्स एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन एक सच यह भी है कि इस तरह आपके काफी सारे पैसे खर्च हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर आपके पास बैग्स का एक बड़ा कलेक्शन हो जाता है, तो फिर आपको उनकी केयर करने व उन्हें रखने के लिए अच्छे खासे स्पेस की जरूरत होती है। अगर आप ऐसा नहीं करना चाहतीं तो इसका दूसरा विकल्प है कि आप एक ही बैग को अलग-अलग अंदाज में कैरी करें और एक डिफरेंट लुक पाएं। ऐसा ही एक बैग है बेल्ट बैग। बेल्ट बैग स्टाइल करने के कई तरीके हैं। बस यह आपके उपर निर्भर करता है कि आप उसे किस ओकेजन के लिए कैरी करना चाहती हैं। तो चलिए जानते हैं कि बेल्ट बैग को अलग-अलग अंदाज में किस तरह कैरी किया जाए-

क्रॉस बॉडी स्टाइल

बेल्ट बैग को अगर एक डिफरेंट स्टाइल में कैरी करने की बात हो तो उसे क्रॉस बॉडी बैग की तरह कैरी करना यकीनन एक अच्छा आईडिया है। यह आपको एक फंकी लुक देता है। क्रॉस बॉडी बैग की तरह बेल्ट बैग को पहनते समय आप इसे वन शोल्डर पर क्रॉस करते हुए पहना जाता है। अगर आप टी-शर्ट विद जींस या फिर वेस्टर्न वियर पहन रही हैं तो ऐसे में बेल्ट बैग को क्रॉस बॉडी स्टाइल में कैरी कर सकती हैं।

शोल्डर बैग स्टाइल

यह बेल्ट बैग को कैरी करने का एक सिंपल तरीका है, लेकिन यह आपको एक फेमिनिन लुक देता है। इस तरह से आप बेल्ट बैग को केजुअल से लेकर ऑफिस तक कैरी कर सकती हैं। इस स्टाइल में एक कंधे पर बैग को कैरी किया जाता है। यह कुछ ऐसे ही है, जैसे आप कॉलेज में अपने रेग्युलर बैग को वन शोल्डर पर कैरी करती थीं। अगर आप कॉलेज गोइंग गर्ल हैं तो ऐसे में आप बेल्ट बैग को शोल्डर बैग स्टाइल में कैरी कर सकती हैं।

क्लच स्टाइल

अगर आप कहीं बाहर पार्टी में जा रही हैं या फिर डेटाइम में डेट का मन बनाया है तो ऐसे में आप बेल्ट बैग को अपनी वेस्ट पर पहनने की जगह क्लच स्टाइल में कैरी करें। इस तरह अगर आप बेल्ट बैग कैरी कर रही हैं तो बैग में से बेल्ट को रिमूव कर दें अगर वह रिमूवेबल नहीं है तो भी बेल्ट को एडजेस्ट कर लें ताकि यह देखने में अच्छा लगे। इस तरह अगर आप बेल्ट बैग कैरी कर रही हैं तो यह आपको एक फेमिनिन लुक देगा।

वेस्ट बैग स्टाइल

आमतौर पर बेल्ट बैग को अधिकतर इसी तरह कैरी किया जाता है। इस स्टाइल में आप बेल्ट बैग को अपने वेस्ट पर कैरी करती हैं। अगर आप सुबह रनिंग पर जा रही हैं या फिर एयरपोर्ट लुक में भी इस तरह से वेस्ट बैग को कैरी किया जा सकता है। बेल्ट बैग को वेस्ट बैग स्टाइल में कैरी करते हुए आप कुछ वैरायटीज कर सकती हैं। मसलन, आप बैग को फ्रंट में रखें और बेल्ट आपकी कमर में बैक पर आएगी। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो इसे फ्रंट पर ना करके साइड में बैग को लाएं। इस तरह से वेस्ट बैग देखने में काफी क्लासी लगता है।

कंगाल पाकिस्तान के नेताओं के पास दुबई में अरबों की संपत्ति

करांची । कैसे नकदी की तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के अमीर और मशहूर लोगों के पास दुबई में अरबों की संपत्ति है। यहां पाकिस्तान कर्ज में डूब रहा है। लेकिन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के तीन बच्चे और पूर्व पाकिस्तानी सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के बेटे जैसे अमीर पाकिस्तान की आम आवाम निश्चित रूप से नहीं हैं। नई रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान के अति अमीरों के पास दुबई में 17,000 से 22,000 के बीच संपत्ति है, जिसकी कीमत 12.5 अरब डॉलर है। जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि जहां लीक में 17,000 पाकिस्तानी नागरिकों को मालिकों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, वहीं दुबई में आवासीय संपत्ति के पाकिस्तानी मालिकों की वास्तविक संख्या 22,000 है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 की शुरुआत में अपार्टमेंट और विला की कीमत 10 बिलियन डॉलर से अधिक हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे रियल एस्टेट की कीमतें बढ़ती हैं, वास्तविक कीमत अब 12.5 बिलियन डॉलर से अधिक आंकी जा सकती है। बात दें कि सेंटर फॉर एडवांस्ड डिफेंस स्टडीज एक गैर-लाभकारी संगठन द्वारा प्राप्त किया गया है। जांच से पता चला है कि दुबई कई रिची रिच की पहली पसंद बन गया है।

सीपीईसी में शामिल हो जाए अफगानिस्तान... लेकिन चीन ये काम करे : पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्लानिंग डेल्लेपमेंट मंत्री अहसान इकबाल चौधरी ने कहा है कि इस्लामाबाद को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) प्रोजेक्ट में अफगानिस्तान को शामिल करने में दिक्कत नहीं है। हालांकि पाकिस्तान ये जरूर चाहता है कि चीन की ओर से अफगानिस्तान पर आतंकवादी समूहों पर नकेल कसने के लिए दबाव बनाया जाए, जो उसकी जमीन से चल रहे हैं। इकबाल ने कहा कि उनकी सरकार देश में काम करने वाले चीनी नागरिकों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके लिए उठाए कदमों का जिक्र करते हुए ये इशारा भी किया अफगानिस्तान की धरती पर पनप रहे आतंकी संगठन इन हमलों के पीछे हैं। चौधरी ने कहा, जब भी आप आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करते हैं, तब वह कोई नया रास्ता ढूंढने की कोशिश करते हैं। आतंकियों की ओर से वर्तमान में चीजों को खराब करने की कोशिश हुई हैं, लेकिन चीनी सरकार ने साफ किया है कि ऐसी कायरतापूर्ण घटनाएं सीपीईसी को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकती हैं। पाकिस्तान सरकार ने भी सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं। चौधरी ने चीन की सराहना करते हुए ये भी कहा कि सीपीईसी में चीनी निवेश ने उस समय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मदद की जब देश कठिन समय से गुजर रहा था। इकबाल ने कहा, चीन ने 11 साल पहले 2013 में पाकिस्तान में 25 बिलियन डॉलर का निवेश करने का फैसला किया था। ये एक ऐसा समय था, जब हमारे पास बिजली की कमी थी। देश आतंरिक सुरक्षा से भी जूझ रहा था, लगातार आत्मघाती बम विस्फोट उस समय हो रहे थे। इस सबके बावजूद चीन ने उस समय पाकिस्तान का समर्थन करने का फैसला किया और यहांकर निवेश किया।

चीन ने ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के मामले में 3 अमेरिकी कंपनियों को किया बैन

बीजिंग (ईएमएस)। चीन और अमेरिका के संबंधों में तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले से नाराज चीन लगातार इसका विरोध कर रहा है। इसी कड़ी में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के लिए सोमवार को बोइंग और अमेरिका की दो रक्षा कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा की। बीजिंग, ताइवान को हथियारों की बिक्री करने के लिए रक्षा कंपनियों के खिलाफ हाल के वर्षों में प्रतिबंधों की घोषणा कर चुका है। इसी कड़ी में चीन ने ये नए प्रतिबंध लागू किए हैं। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिसे चीन अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी यूनिट, जनरल एटमिक एयरोनॉटिकल सिस्टम्स और जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स पर भविष्य में अपने देश में निवेश करने और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन व अधिकारियों की यात्रा पर रोक लगा दी। चीन ने इन तीनों अमेरिकी कंपनियों को अविश्वसनीय संस्थाओं की सूची में भी डाल दिया। ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने उन्नत लड़ाकू विमानों और अन्य प्रौद्योगिकी के आयात व अपने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत कर देश की सुरक्षा को मजबूत करने का संकल्प लिया है। चीन ने अप्रैल में जनरल एटमिक एयरोनॉटिकल सिस्टम्स और जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स की परिसंपत्तियों पर रोक लगा दी थी।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद में विश्वास मत हासिल किया

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने सोमवार को संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया जो उनके पदभार संभालने के 18 महीने के भीतर चौथा शक्ति परीक्षण था। इस दौरान मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने नारेबाजी की और वह मतदान से दूर रही। नेपाल की प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर)'के नेता प्रचंड (69) को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 157 वोट मिले। मतदान में कुल 158 सांसदों ने हिस्सा लिया। मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने मतदान प्रक्रिया का बहिष्कार किया और उपप्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री रबी लामिछाने के खिलाफ नारेबाजी की। लामिछाने पर सहकारी निधि के दुरुपयोग का आरोप है। विपक्षी दल की इस नारेबाजी के कारण मतदान प्रक्रिया में देरी हुई। मतदान के दौरान प्रतिनिधि सभा का एक सदस्य तटस्थ रहा। सदन के अध्यक्ष राज घिमिरे ने घोषणा की कि संसद में बहुमत मिलने के साथ ही प्रचंड ने विश्वास मत हासिल कर लिया है। यह शक्ति प्रदर्शन गठबंधन सहयोगियों में शामिल 'जनता समाजबादी पार्टी' (जेएसपी) द्वारा पिछले सप्ताह गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस लिए जाने के कुछ दिनों बाद किया गया। सरकार को विश्वास मत जीतने के लिए कम से कम 138 मतों की आवश्यकता थी। इससे पहले, नेपाली कांग्रेस द्वारा अवरोध पैदा किए जाने के कारण मतदान में देरी हुई। नेपाली कांग्रेस ने घोटाले में लामिछाने की कथित संलिप्तता की जांच के लिए संसदीय जांच समिति के गठन की मांग की। प्रचंड के दिसंबर 2022 में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से संसद में विश्वास मत के लिए चौथी बार मतदान हुआ है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, किसी सहयोगी दल के सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस लेने की स्थिति में प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होता है। इससे पहले प्रचंड ने 13 मार्च को लगातार तीसरी बार विश्वास मत जीता था।

इजराइल के हवाई हमले में 27 की मौत, मरने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल

गाजा। गाजा में हमास और इजराइल के बीच आठ महीने से चल रही लड़ाई ने रविवार को और जोर पकड़ लिया। मध्य गाजा में एक इजराइली हवाई हमले में 27 लोग मारे गए। इस युद्ध के बाद गाजा में कौन शासन करेगा, इस सवाल पर इजराइली नेता बंटे हुए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपनी वार कैबिनेट के दो अन्य सदस्यों से आलोचना का सामना करना पड़ रहा। उनके मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गांत्ज ने कहा है कि युद्ध के बाद गाजा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशासन को शामिल करते हुए आठ जून तक एक योजना नहीं बनाई जाती है तो वह सरकार से बाहर हो जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के नेतन्याहू और इजराइली नेताओं से बातचीत होनी है ताकि इजराइल को मान्यता देने के लिए सऊदी अरब के साथ एक महत्वाकांक्षी अमेरिकी योजना पर चर्चा की जा सके।

मैड्रिड में फार राइट पार्टी वोक्स के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

स्पेसएक्स फाल्कन 9 ने रॉकेट को 21वीं बार लॉन्च कर बनाया नया रिकॉर्ड

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट को 21वीं बार लॉन्च कर नया रिकॉर्ड बनाया गया। प्रक्षेपण फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से हुआ, जिससे 23 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रह कक्षा में स्थापित हो गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक उड़ान भरने के बाद, फाल्कन 9 का पहला चरण अटलांटिक महासागर में स्पेसएक्स ड्रोन जहाज पर उतरकर सुरक्षित रूप से धरती पर लौट आया। स्पेसएक्स ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-फाल्कन 9 ने बूस्टर का पहला 21वां लॉन्च और लैंडिंग पूरा कर किया और 23 श्वस्टारलिंक उपग्रहों को फ्लोरिडा से कम-पृथ्वी की कक्षा में पहुंचाया। यह विशेष बूस्टर के लिए 21वां सफल प्रक्षेपण और लैंडिंग है। फाल्कन 9 के ऊपरी चरण ने उपग्रहों को निचली पृथ्वी की कक्षा में तैनात करना जारी रखा। यह लॉन्च स्पेसएक्स के 2024 में करीब 150 लॉन्च करने के लक्ष्य का हिस्सा था। नई लॉन्च ने स्पेसएक्स के लिए साल का 51वां कक्षीय मिशन चिह्नित किया, जिसमें स्टारलिंक ब्रॉडबैंड मेगाकॉन्स्टेलेशन के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया। वर्तमान में तारामंडल में 5,900 से ज्यादा परिचालन उपग्रह हैं, जिनमें से 51 कक्षीय प्रक्षेपणों में से 36 इसके विस्तार के लिए समर्पित हैं।

अमेरिकी सांसद के बिगड़े बोल कहा- अच्छा है ईरान के राष्ट्रपति मर जाएं, तानाशाही और आतंकवाद से मुक्ति मिलेगी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति डॉ. इब्राहिम रईसी का हेलिकॉप्टर क्रैश होने की खबर आते ही अमेरिकी सांसद का बेतुका बयान सामने आया है। अमेरिकी सांसद रिक स्कॉट ने कहा कि यदि इब्राहिम रईसी जिंदा नहीं बचे हैं तो यह अच्छी बात है और इससे दुनिया रहने के लिए और सुरक्षित हो जाएगी। रिपब्लिक सांसद ने एक्स पर लिखा, यदि रईसी की मौत हो गई है तो फिर दुनिया अब पहले से बेहतर और सुरक्षित होगी। वह शख्स एक आतंकवादी और तानाशाह था। उससे कोई प्यान नहीं करता था और न सम्मान देता था। उसे कोई मिस नहीं करेगा। यदि उसकी मौत हो गई है तो मैं उम्मीद करता हूं कि ईरान के लिए यह मौका है कि वह अपने देश की सत्ता को कातिल तानाशाहों से वापस ले लें।

अमेरिकी सांसद का यह बयान चुभने वाला और आपत्तिजनक है। अब तक अमेरिकी सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन इस दुखद घटना में तमाम देशों ने ईरान के साथ खड़े होने की बात कही है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के कई सहयोगियों ने भी ईरान से इस घटना को लेकर संवेदना प्रकट की है। ऐसी स्थिति में अमेरिकी सांसद का बयान तनाव भी बढ़ाने वाला है। बता दें कि इस मामले में अब तक अमेरिकी सरकार ने कुछ नहीं कहा

है। सूत्रों का कहना है कि बाइडेन प्रशासन इस मामले में संभलकर चलना चाहता है। इस मामले की रिपोर्ट जो बाइडेन ने मांगी है और उन्हें पूरी जानकारी अधिकारियों ने दी है। बता दें कि ईरान के राष्ट्रपति डॉ. इब्राहिम रईसी का बेल 212 हेलिकॉप्टर रविवार को क्रैश हो गया था। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब इब्राहिम रईसी खुदाफरिन शहर से ताबरिज जा रहे थे। इसी दौरान उनके विमान से संपर्क टूट गया और हेलिकॉप्टर वजरकान इलाके के पास क्रैश हो गया। घंटों के अभियान के बाद क्रैश हेलिकॉप्टर का मलबा मिल गया है, लेकिन किसी के भी जिंदा बचने की उम्मीद नहीं है। हालांकि आधिकारिक तौर पर ईरान ने इस पर अभी कुछ नहीं कहा है। सऊदी अरब, भारत, चीन, रूस समेत दुनिया भर के देशों ने इस हादसे पर दुख जताया है।

चीन के कट्टर विरोधी लाइ चिंग बने ताइवान के राष्ट्रपति, भविष्य की रणनीति से घबराया चीन

वाशिंगटन (एजेंसी)। ताइपे सिटी (ईएमएस)। चीन और ताइवान के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। आए दिन चीन किसी न किसी बहाने ताइवान को न केवल आंख दिखाता है बल्कि चुनौतियां भी खड़ी कर देता है। इसी बीच लाइ चिंग ताइवान के राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें चीन का कट्टर विरोधी माना जाता है। लाइ चिंग ने सोमवार को ताइवान के राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है। लंबे समय से चीन से मिल रहीं चुनौतियों का सामना कर रहे ताइवान की राजधानी ताइपे में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। इस मौके पर 12 देशों का प्रतिनिधिमंडल मौजूद था। इसमें अमेरिका, जापान और यूरोप के कई देशों के अधिकारी शामिल थे।

इस मौके पर 64 साल के लाइ ने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति की भी हितकारी योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। बता दें कि ताइवान एशिया का पहला देश है जिसने समलैंगिक विवाह को मान्यता दी है। त्साई के दूसरे कार्यकाल के दौरान चिंग उपराष्ट्रपति थे। 2017 में उन्होनें खुद को ताइवान की स्वतंत्रता का अग्रदूत बताया था। हालांकि अब वह चाहते हैं कि चीन से बातचीत के जरिए हल निकाला जाए और ताइवान की यथास्थिति बरकरार रहे। बता दें कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा बताता है और कहता है कि जरूरी होने पर वह अपनी सेना भी तैनात कर सकता है। लाइ को विलियम नाम से भी जाना जाता है। लाइ ने जोर दिया कि वह ताइवान की सुरक्षा के लिए अपने करीबी अमेरिका से रक्षा आयात बढ़ाएंगे। आए दिन ताइवान की सीमा में अपने विमान भेजने वाले चीन से निपटने के लिए राष्ट्रपति चिंग ने अमेरिका से अड्वांस विमान खरीदने की भी बात कही है। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा और देश में ही सबमरीन और एयरक्राफ्ट का निर्माण होगा। इसके अलावा अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और फिलीपीन्स जैसे देशों से सहयोग बढ़ाने की भी बात कही गई है।

ऋषि सुनक इतने मालामाल हो गए कि सालभर भी नहीं हुआ और किंग चार्ल्स से आगे निकल गए

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अमीरी के मामले में ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स को पीछे छोड़ दिया है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक अमीरों की ताजा लिस्ट से यह जानकारी निकलकर सामने आई है। अखबार ने अरबपतियों की लिस्ट छापते हुए दावा किया कि ब्रिटेन में धनकुबेरों की संख्या कम हो रही है। इस लिस्ट में पहली बार अरबपतियों की संख्या में भारी कमी देखी गई, जो वर्ष 2022 के 177 से गिरकर अब 165 रह गई है। इस लिस्ट में भारतीय मूल के ब्रिटिश कारोबारी गोपी हिंदुजा और उनका परिवार 37.2 बिलियन पाउंड की कुल संपत्ति के साथ टॉप पर है, जो रैंकिंग के इतिहास में सबसे बड़ी संपत्ति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पीएम सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति की संपत्ति पिछले एक साल में 12 करोड़ पाउंड (12.7 अरब रुपये) से ज्यादा बढ़कर कुल 65.1 करोड़ पाउंड यानी 68.67 अरब रुपये पहुंच गई है। वहीं इस दौरान किंग चार्ल्स की कुल संपत्ति 60 करोड़ पाउंड से बढ़कर 61 करोड़ पाउंड ही रही। लिस्ट के टॉप 10 में आर्सेलर मित्तल स्टीलवर्क्स के एनआरआई टाइकून लक्ष्मी एन. मित्तल भी आठवें नंबर पर हैं। इसके बाद वेदांता रिसोर्सेज के उद्योगपति अनिल अग्रवाल 7 अरब पाउंड के साथ 23वें नंबर पर हैं। 2024 की सूची में भारतीय मूल के अरबपतियों में कपड़ा कारोबारी प्रकाश लोहिया 6.23 अरब पाउंड के साथ 30वें स्थान पर हैं, वहीं खुदरा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां मोहसिन और जुबेर इस्सा 5 अरब पाउंड के साथ 39वें स्थान पर हैं, और फार्मा दिग्गज नवीन और वर्षा इंजीनियर 3 अरब पाउंड के साथ 58वें स्थान पर हैं। टॉप 100 सबसे अमीर ब्रितानियों में साइमन, बॉबी और रॉबिन अरोड़ा बंधु 2.682 अरब पाउंड के साथ 65वें स्थान पर हैं और प्रमुख एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल और उनका परिवार पिछले साल की ही तरह 2.6 अरब की अनुमानित संपत्ति के साथ 67वें स्थान पर हैं।

कनाडा में शवों को नहीं ले रहे लोग, दफनाने में हो रहे हजारों डॉलर खर्च

- लावारिश शवों की बढ़ रही संख्या, बनाए जा रहे नए स्टोरेज

ओटावा(एजेंसी)। कनाडा से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है यहां लावारिश शवों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि उसके लिए सरकार को नई स्टोरेज फैसिलिटी बना पड़ी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के कई राज्यों में कुछ सालों में लावारिस शवों की संख्या बढ़ती जा रही है और मरने वालों के परिजन उनके शवों को लेने से इनकार कर रहे हैं। इसका कारण अंतिम संस्कार में आने वाले खर्चों में बढ़ोतरी माना जा रहा है। शवों को न लेने का ट्रेंड बढ़ गया है। यहां लावारिश शवों की संख्या को देखते हुए एक प्रांत को नई स्टोरेज फैसिलिटी बनाना पड़ गई। अंतिम संस्कार के लिए रुपए इकट्ठा करने का भी ट्रेंड यहां दिखाई देने लगा है।

उद्योग व्यापार समूह का कहना है कि कनाडा में शव के अंतिम संस्कार का खर्च 1998 में करीब 6000 डॉलर था, जो अब बढ़कर 8,800 डॉलर हो गया है। कनाडा की सबसे घनी आबादी वाला प्रांत ओंटारियो के प्रमुख कोरोनर डिर्क ह्यूयर का कहना है कि

ओंटारियो में लावारिस शवों की संख्या 2013 में 242 थी, जो बढ़कर 2023 में 1,183 हो गई। ज्यादातर मामलों में रिश्तेदारों की पहचान कर ली गई थी, लेकिन कई कारणों से शवों पर दावा नहीं करते, जिनमें सबसे आम कारण पैसा होता है।

साल 2022 में कुल लावारिस शवों में से 20 फीसदी को न लेने का कारण पैसा ही था, जो 2023 में 24 फीसदी हो गया। उन्होंने कहा कि यह दुखद है क्योंकि जो व्यक्ति मर चुका है, उसके लिए उसके परिवार का कोई भी सदस्य या दोस्त खड़ा नहीं होता है। आधिकारिक तौर पर 24 घंटे बाद शव को लावारिस मान लिया जाता है। उन्होंने बताया लेकिन परिवार के सदस्यों का पता लगाने में कई सप्ताह लग जाते हैं। अगर रिश्तेदार सूचना मिलने के बाद भी शवों को ले जाने नहीं आते तो नगर पालिका कुछ संस्थाओं के साथ उस शव को साधारण तरीके से दफना देती है।

जब तक शवों को कोई नहीं लेता तब तक उसे तापमान नियंत्रित स्टोरेज फैसिलिटी में रखा जाता है। टोरंटो में फ्यूनरल होम मैकिनॉन और बोवेस चलाने वाले मालिक एलन कोल ने कहा, हमेशा ऐसे परिवार रहे हैं, जिन्हें मदद की जरूरत होती है। लेकिन मैंने अभी की तरह लावारिस शवों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं देखी।

विपक्षी पार्टी के नेता जिम डिन के मुताबिक लोगों को अहसास है कि वे दफनाने का खर्च नहीं उठा सकते। इसके अलावा रिपोर्ट्स कहती हैं कि लोकेशन के हिसाब से महंगी जमीनें भी लोगों के लिए शवों को दफनाने में मुश्किल पैदा करती हैं। ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में माउंट प्लेजेंट ग्रुप के साथ वयस्क कब्र की औसतन कीमत 2800 डॉलर है। लेकिन मिडटाउन टोरंटो में यह 34000 डॉलर (32 लाख रुपए) हो जाती है। इसके अतिरिक्त कब्र खोदना, फ्यूनरल, कब्र का पत्थर और अन्य वस्तुएं अंतिम संस्कार को और भी खर्चीला बना देती हैं। सरकार की ओर से भी कोई मदद नहीं मिलती है।

मकड़ियों के लिए जाला एक माइक्रोफोन, वह इसे सुनने के लिए करती हैं इस्तेमाल

-न्यूयॉर्क की बिंगहैमटन यूनिवर्सिटी में मकड़ी के जाले पर की रिसर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर आपने घर, गार्डन या जंगल में मकड़ी का जाला देखा होगा। मकड़ी इस जाले का इस्तेमाल अपने शिकार को फंसाने के लिए करती है। जैसे ही कोई छोटा जीव उनके इस जाल में फंसता है, वह उसे अपना निवाला बना लेती हैं। लेकिन अब मकड़ी के जाले का सच सामने आया है, जिसे जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। न्यूयॉर्क की बिंगहैमटन यूनिवर्सिटी में मकड़ी के जाले पर रिसर्च की है। रिसर्च में बताया कि मकड़ी के लिए उसका ये जाला किसी जासूस से कम नहीं है।

वैज्ञानिकों के मुताबिकको अपनी रिसर्च में पता लगा कि मकड़ियां अपने जाले का इस्तेमाल एक बड़े माइक्रोफोन के तौर पर करती हैं। मकड़ी के जाले का रेशम, बहुत ज्यादा संवेदनशील और लंबी दूरी के शोर का पता लगाने के लिए आवाज वाले इलाकों में कणों की गति के आधार पर काम करता है। इंसानों के कान के पर्दे और पारंपरिक माइक्रोफोन ध्वनि की दबाव तरंगों का पता लगाते हैं, लेकिन मकड़ी के जाले का इस्तेमाल बिल्कुल अलग है। मकड़ी के जाले का रेशम ध्वनि तरंगों की तरफ से धकेले जाने पर वायु कणों के वेग में होने वाले बदलाव का इशारा देते हैं।

वैज्ञानिकों ने बताया कि बहुत ज्यादा संवेदनशीलता और लंबी दूरी की आवाज पहचान के लिए मकड़ी के जाले में अद्भुत क्षमता होती है। इनका जाल आवाज के कण वेग के आधार पर सूचना देता है। ध्वनि सुनने के लिए ज्यादातर कीट अपने बारीक बाल या अपने एंटीना का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, इनके ये अंग उस आवाज के दबाव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। ये बारीक अंग ध्वनि क्षेत्र में हवा की गति पर प्रतिक्रिया देते हैं। प्रोफेसर रेनाल्ड माइल्स ने बताया कि उन्होंने सोचा कि किसी तरह से एक इंजीनियर्ड डिवाइस बनाई जाए, जो ध्वनि से उठे हवा के वेग पर भी प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो। फिर अलग-अलग मानव निर्मित ऐसे फाइबर के जरिए कोशिश की, जो बहुत पतले थे। इस दौरान वह परिसर में घूम रहे थे और उन्होंने हवा में उड़ता हुआ एक मकड़ी का जाला देखा।

माइल्स के मुताबिक उस डिवाइस को बनाने से पहले यह साबित करना था कि मकड़ी के जाले वास्तव में ध्वनि से उठे हवा के वेग पर प्रतिक्रिया करते हैं। इसका टेस्ट करने के लिए प्रयोगशाला की खिड़कियां खोलकर वहां बने मकड़ियों के जाले की जांच की। मकड़ियों के लिए एक हर्ट्ज से 50 किलोहर्ट्ज तक की आवाज बजाई और लेजर वाइब्रोमीटर से मकड़ी के रेशम की गति को मापा। पता चला कि

रेशम का ध्वनि-प्रेरित वेग उसके आसपास की हवा में उपस्थित कणों के समान ही था और इससे उस सिस्टम का पता चला, जिसका इस्तेमाल मकड़ियां अपने शिकार का पता लगाने के लिए करती हैं।

माइल्स ने आगे कहा कि मकड़ी का रेशम निश्चित तौर पर मकड़ियों द्वारा ही बनाया जाता है, इसलिए इसे हर साल बनने वाले अरबों माइक्रोफोनों में शामिल करना संभव नहीं है। हालांकि ये इस बारे में बहुत कुछ सिखाता है कि माइक्रोफोन में कौन से यांत्रिक गुण जरूरी हैं और यह पूरी तरह से हमारे नए डिजाइनों को सपोर्ट कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिनदहाड़े सरेआम युवक की हत्या, ३ दिन पहले हुई मारपीट की दुश्मनी से हत्या की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के डिंडोली क्षेत्र में आए नवागाम में एक युवक की हत्या की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. एक युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई. सुचना पर डिंडोली पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेज दिया और आगे की जांच शुरूकी. गौरतलब है कि तीन-चार दिन पहले झगड़ा हुआ था और कहा गया था कि तेरा सर धाड़ से अलग कर देंगे. इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत के डिंडोली नवागाम इलाके में दिनदहाड़े एक युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई. डिंडोली के बिलियानगर सोसायटी में सरेआम एक युवक की हत्या से हड़कंप मच गया है. अतुल यादव नाम के युवक की दो लोगों ने हथियार से वार कर हत्या कर दी और फरार हो गए. तो वहीं डिंडोली इलाके में हुई हत्या की घटना से आसपास के लोगों में डर का माहौल है. घटना के बाद डिंडोली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आगे की जांच के लिए शव को पीएम के लिए भेज दिया.

इस मामले में डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने कहा कि डिंडोली इलाके में एक हत्या की घटना बनी है. अतुल यादव नाम के शख्स पर दो संदिग्धों ने धारदार हथियार से वार कर दिया. जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस द्वारा इस युवक की हत्या क्यों की इसकी जांच शुरूकर दी गई है.

पुलिस ने सुलझाई मोबाइल चोरी की वारदात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोसंबा पुलिस ने हाइवे पर ट्रक ड्राइवर का मोबाइल चुराने के आरोप में इसाम को कुछ ही मिनटों में पकड़ लिया

सूरत जिले की कोसंबा पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर कोसंबा हाईवे पर ट्रक चालकों को निशाना बनाया और मोबाइल फोन चुराकर भाग गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसंबा पुलिस को सूचना मिली कि इस्साम हाईवे पर कोसंबा ने.हा.नं.-४८ पर ट्रक चालकों के मोबाइल मोपेड एक्टिवा चोरी कर घूम रहा है। कार्रवाई में जुटे कोसंबा प्रभारी पीआई जेएस वसावा के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने उपरोक्तसूचना के अनुसार मौके पर जाकर आरोपी को चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर चोरी की वारदात का खुलासा किया। पुलिस को आरोपी के पास से ०९ हजार कीमत का एक मोबाइल फोन और ५७० रुपये नकद मिले, पुलिस ने कुल ९ हजार ५७० रुपये जब्त किये. फिलहाल सूत्रों से पता चला है कि पुलिस ने आरोपी मुश्ताक इस्माइल पठान (निवासी मलकापुरी पाली मांगरोल) को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

सकारात्मक कदमों से आढ़तीया कपड़ा एसोसिएशन को मिल रहा हैं कपड़ा बाजार में काफी अच्छा प्रतिसाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, आढ़तीया कपड़ा एसोसिएशन सूरत की १०वी मासिक मीटिंग संपन्न हुई जिसमे व्यापार सुधारा के लिए काफी सारी चर्चा हई. अध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल ने बताया कि एसोसिएशन के ठोस निर्णय से कई सारे राज्यो के व्यापारी ने एसोसिएशन से जुड़ने के लिए आवेदन पत्र एसोसिएशन में भेजा है. बाहर के व्यापारी लगातार जुड़ रहे हैं और बाहर की मंडियों के काफी एजेंट ने आवेदन दिए हुए हैं, जिससे की आने वाले समय में एसोसिएशन देश की मंडियों सभी एजेंट प्रतिनिधि को जोड़ने का काम कर रही हैं. जल्द ही बहार की मंडियों के एजेंट को सुरत में बुलाकर एक सम्मेलन करेगी. इसे सूरत बाजार में काफी अच्छे सकेत मिल रहे हैं और व्यापारी को काफी अधिक लाभ मिल रहा हैं. व्यापारी को रिफ्रेंस हो या भुगतान संबंधित समस्या हो तुरंत उसका हल निकलता हैं.

सूरत में अमरोली पुलिस ने ५ महीने में गुम हुए मोबाइल फोन लौटाए

२१ लाख कीमत के १३४ मोबाइल फोन मूल मालिकों को लौटाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तेरा तुझको अर्पण कार्यक्रम

सूरत पुलिस द्वारा आयोजित किया गया है। जिसमें थाने में दर्ज अपराधों का पता लगाकर प्रतिष्ठित न्यायालय के आदेश के आधार पर यथाशीघ्र मूल मालिकों को लौटाया जाता है। तेरा तुझको अर्पण कार्यक्रम के तहत आज सूरत अमरोली पुलिस ने २१ लाख कीमत के १३४ मोबाइल फोन उनके मूल मालिकों को लौटाए। अपना मोबाइल वापस पाने वाले लोगों में खुशी का माहौल देखा गया.

५ महीने में खोए-चोरी हुए मोबाइल अमरोली पुलिस स्टेशन ने पिछले ५ महीनों में लोगों के खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन उनके मूल मालिकों को लौटाए हैं। अमरोली पुलिस स्टेशन में मोबाइल मालिकों को बुलाकर मोबाइल दिए गए. जिसमें १३४ मोबाइल फोन असली मालिकों को दे दिए गए. जिसकी कीमत २१ लाख रुपये है.

मोबाइल वापस पाने वाले लोगों में खुशी जिन लोगों को अपना मोबाइल वापस मिला, उनमें खुशी देखी गई और इस काम के लिए पुलिस की सराहना की गई। गौरतलब है कि, सूरत पुलिस हमेशा नागरिकों की सुविधा के लिए नए कार्य करके शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और सूरत पुलिस ने शहर में शांति और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से अपना काम किया है। शहरवासियों में पुलिस का खौफ.

सूरत वासियों ने रविवार को डुमस में २५० किलो कूड़ा फेंका, जिसमें से २५ किलो प्लास्टिक निकला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत का एकमात्र दर्शनीय स्थल, डुमस छुट्टियां के दौरान सूरत वासियों से भरा रहता है. इस जगह पर कई कूड़ेदान मौजूद होने के बावजूद सूरतवासी डुमस बीच पर कूड़ा फेंक रहे हैं, जिससे बीच की खूबसूरती तो खराब हो ही रही है, साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है. प्लास्टिक के समुद्र में जाने की संभावना रहती है क्योंकि समुद्र तट पर प्लास्टिक का उपयोग कर इसे खुले में फेंक दिया जाता है. सूरत नगर पालिका ने एक एनजीओ की स्थापना की है. रविवार को डुमस बीच से करीब २५० कूड़ा उठाया गया, जिसमें २५ किलो से ज्यादा प्लास्टिक कचरा निकला.

सूरत नगर पालिका सूरत वासियों के घूमने के लिए डुमस को विकसित करने का काम कर रही है. अभी डुमस सी फेस का काम चल रहा है, आने वाले दिनों में यह जगह सूरत वासियों के लिए सबसे पसंदीदा जगह बन जाएगी. लेकिन वर्तमान में डुमस बीच पर जिस मात्रा में कचरा डंप किया जा रहा है वह सूरत नगर पालिका और पर्यावरण दोनों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है. शनिवार और रविवार को बड़ी संख्या में लोग सूरत के समुद्र तट पर जाते हैं और खा-पीकर मौज-मस्ती करके लौट आते हैं.

लेकिन डुमस बीच पर सूरत वासियों द्वारा समुद्र तट पर ही अभियान का आयोजन किया था. दोपहर तक चली कार्रवाई में नगर पालिका ने डुमस तट से ढाई सौ किलो से अधिक कूड़ा एकत्र किया. इस कचरे के अलावा नगर पालिका ने डुमस समुद्र तट से २५ किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक भी एकत्र किया.

सूरत नगर पालिका और स्वयंसेवी संगठन ने कल ऐसा किया लेकिन हर सप्ताहांत डुमस बीच पर इससे अधिक मात्रा में कचरा और प्लास्टिक फेंका जाता है, उच्च ज्वार के समय यह कचरा और प्लास्टिक समुद्र में पहुंच जाता है. ऐसे में समुद्र में अधिक प्रदूषण होता है, जो समुद्री जीवन के लिए भी खतरनाक हो जाता है. चूँकि हर समय यही स्थिति बन रही है, यदि नगर पालिका अपने नेचर पार्क की तरह डुमस तट पर भी प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दे तो समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण को रोका जा सकता है.

भारी मात्रा में कूड़ा फेंक जा रहा हैं. उच्च ज्वार के समय यह कचरा और इसके साथ फेंका गया प्लास्टिक पर्यावरण के लिए खतरा बनता जा रहा है. सूरत नगर पालिका ने रविवार को दोपहर के समय जेसीआई मेट्रो क्लब द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता

वापी समेत ९ नगर पालिकाओं के उच्च अधिकारी महापालिका का पाठ पढ़ेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य सरकार की ओर से बजट में ७ और लोकसभा चुनाव से पहले ९ नगर पालिकाओं को मनपा का दर्जा देने की घोषणा की गई है। अब वापी सहित प्रस्तावित ९ महानगर पालिकाओं के वरिष्ठ कर्मचारियों को सोमवार से सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एसपीआईपीए) अहमदाबाद में प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार के बजट में वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने मेहसाणा, गांधीधाम, आनंद, मोरबी, नवसारी, वापी और सुरेंद्रनगर-दूधराज नगर पालिका को महानगरपालिका में बदलने की घोषणा की। फिर दो और नगर पालिकाओं को महानगरपालिका घोषित किया गया, लेकिन बजट के बाद लोकसभा चुनाव के कारण आगे की कार्रवाई पर ब्रेक लग गया, अब वापी समेत प्रस्तावित ९ महानगरपालिकाओं के ५ से ६ प्रमुख वरिष्ठ कर्मचारियों को ५ दिन की ट्रेनिंग दी जाएगी. यह प्रशिक्षण २० से २५ मई तक सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एसपीआईपीए) अहमदाबाद में दिया जाएगा। जिसमें नगर पालिका की शक्तियों एवं कर्तव्यों, प्रशासनिक मामलों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। वापी नगर पालिका के करीब ५ कर्मचारी महा नगरपालिका की ट्रेनिंग के लिए निकले थे. वापी नगर पालिका के कर्मचारियों से पूछने पर उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण नगर निगम के लिए रखा गया है. प्रशिक्षण के लिए ९ नगर पालिकाओं से औसतन ५ से ६ वरिष्ठ कर्मचारियों को बुलाया गया है। राज्य सरकार के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रस्तावित नगर निगम के क्रियान्वयन में अभी समय लगेगा. क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों की आपत्तियों की सुनवाई की जाएगी. इसके बाद आबादी और क्षेत्रफल के हिसाब से सीमांकन की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद नगर निगम चुनाव होंगे. ऐसे में मनपा की पूरी प्रक्रिया पूरी होने में कई महीने लगेंगे.

परिसीमन के बाद नगर निगम चुनाव वापी मनपा में गांव बढ़ाए जाएंगे या नहीं, इसको लेकर असमंजस की स्थिति वापी मनपा की घोषणा के बाद आसपास के कुल ७ गांवों को शामिल करने की घोषणा की गई थी, लेकिन मोराई, वातार समेत कुछ गांव लिए जाएंगे या नहीं, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। आसपास के गांवों के सरपंचों से भी इस बारे में पूछताछ की जा रही है। लेकिन इस मामले में अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है. हालांकि खबर है कि कपाराडा तालुका के गांवों को वापी तालुका में शामिल नहीं किया जाएगा. आचार संहिता खत्म होने के बाद स्थिति साफ हो जाएगी।

क्राइम ब्रांच की टीम ने छत्तीसगढ़ में कोयला खदान में काम करता पकड़ा

ट्रक चोरी करने वाले आरोपी को पहचान बदलकर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अपराधी जहां भी अपराध करते हैं छुप जाते हैं, लेकिन कानून उन्हें नहीं छोड़ता. ऐसी ही एक घटना सामने आई है, जिसमें आरोपी ने ११ साल पहले ११ ट्रक चुराए थे. बाद में वह छत्तीसगढ़ में एक कोयला खदान में नौकरी पर लग गया. हालांकि, पुलिस को इसकी जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच की एक टीम छत्तीसगढ़ के लिए रवाना ही. वह पर ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करने के दौरान क्राइम ब्रांच के जवानों ने आरोपी मोहम्मद एकलाख महमूद खान पर नजर रखी और उसे पकड़ लिया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ट्रक ड्राइवर की ड्रेस पहनकर छत्तीसगढ़ में देश की सबसे बड़ी कोयला खदानों में से एक गेवरा कोयला खदान पहुंची. यहां से सूरत में २०१३ से २०१५ तक ११ ट्रक चोरी के अपराधों में शामिल वांछित आरोपी को खोजने के लिए काम शुरू कर दिया था. इस दौरान गेवरा खदान में ट्रक ड्राइवर की नौकरी करते आरोपी मोहम्मद एकलाख महेमूद खान पर नजर रखी गयी. महमूद खान रात में अकेले ट्रक चला रहा था. इसी बीच ट्रक ड्राइवर की ड्रेस में पहुंचे क्राइम ब्रांच के जवान उसे पकड़ लिया. जिससे ११ ट्रक चोरी की वारदात सुलझाने की दिशा में मुख्य आरोपी पकड़ा गया. उस वक्त इस अपराध में कौन शामिल था और चोरी हुए ट्रक को लेकर अब सूरत पुलिस आगे की जांच कर रही है.

एक लड़की जो अपने पुराने प्रेमी को परेशान कर रही थी,उसने १८१ से मदद मांगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुराने प्रेमी को परेशान कर रही लड़की ने ली १८१ की मदद- नवसारी में, लड़की को पुराने रिश्ते को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर किया जाता है, लड़की प्रेतवाधित है और अभयम की मदद लेती है

नवसारी जिले की एक लड़की ने १८१ पर कॉल कर बताया कि युवक काफी समय से अपने दोस्त के संपर्क में नहीं है. संबंध बनाने से मना करने के बावजूद वह जान से मारने की धमकी देकर जबरन संबंध

जहांगीरपुरा पुलिस ने किया 'घातक हथियार जमा करने' का ऐलान, लोगों ने स्वेच्छा से पुलिस के सामने रखे अपने हथियार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत पुलिस की ओर से संवेदनशील इलाकों में समय-समय पर कॉम्बिंग ऑपरेशन किया जाता है. घर-घर की तलाशी में कोई भी घातक हथियार मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाती है. यह एक सामान्य प्रक्रिया के तहत किया जाता है. यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है कि घातक हथियारों से कोई घायल न हो और लड़ाई या किसी अन्य उत्पात की स्थिति में ऐसे हथियारों का उपयोग न किया जाए. बीते रात जहांगीरपुरा पुलिस ने लाउडस्पीकर पर घातक हथियार जमा करने की घोषणा की तो १५ मिनट के अंदर ही लोगों ने पुलिस के सामने हथियारो का ढेर लगा दिया.

जहांगीरपुरा पुलिस के द्वारा रात में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया. पुलिस की ओर से प्रधानमंत्री आवास सुमन वंदन में लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कराया गया. जिसमें जहांगीरपुरा थाने के स्टाफ ने लाउड स्पीकर से अनाउंस किया कि लाठी-डंडे, तलवारें और ऐसी कोई भी चीज जो किसी व्यक्ति को शारीरिक नुकसान पहुंचा सकती है, उसे जमा करा दें. आश्चर्य की बात यह है कि घोषणा के १५ मिनट के भीतर ही लोगों ने अपने घरों से बाहर निकलकर पुलिस को घातक हथियार सौंप दिए. जिसमें महज १५ मिनट में लकड़ी, चाबुक, लोहे की रॉड, रेम्बो चाकू, तलवार जैसे ४८ हथियार जमा हो गए थे.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)